

कोलकाता के दुर्गा पंडाल में भगदड़ 17 लोगों की मौत कई घायल, पीएम मोदी और अमित शाह ने जताया दुख

कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में शनिवार शाम तेज बारिश के बीच भगदड़ मच गई। हादसे में कम से कम 17 लोगों की मौत हुई है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने अस्पताल पहुंचकर हालात का जायजा लिया। पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। पीएम मोदी ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। वहीं, अमित शाह ने रविवार के अपने निर्धारित



बीच पंडाल में लोगों की भीड़ बढ़ गई। इससे वहां अफरा-तफरी मच गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, पंडाल का ढांचा टूटने से

भी हादसा हुआ हो सकता है। हालांकि, अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। कोलकाता पुलिस के अनुसार, गिरिश पार्क थाना क्षेत्र के अंतर्गत

शारदा पार्क (चोरबागान) पूजा पंडाल के निकास द्वार पर भारी बारिश के बीच पंडाल प्रेमियों की भारी भीड़ के कारण शाम करीब 7-40 बजे भगदड़ मच गई, जिसके बाद पूजा पंडाल को आगंतुकों के लिए बंद कर दिया गया है और अब तक मिली जानकारी के अनुसार लगभग 35 घायलों को बचाकर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमसीएच) भेज दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी अस्पताल पहुंचे। हादसे के बाद पंडाल में प्रतिमा के दर्शन बंद कर दिए गए। पंडाल की रोशनी भी बुझा दी गई और बाहर निकलने के रास्ते बंद कर

दिए गए। घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाने पर ध्यान दिया जा रहा है। पूजा आयोजकों को पुष्ताछ के लिए थाने बुलाया गया है। वहीं, मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल ने भी अस्पताल का दौरा किया, जहां घायलों का इलाज चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता के दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ की घटना पर दुख जताया। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। पीएम मोदी ने कहा कि स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों को हर संभव मदद पहुंचा रहा है।

गुजरात के भरुच की फार्मा कंपनी में रिएक्टर ब्लास्ट होने से 5 कर्मचारियों की मौत, 6 घायल



नई दिल्ली। गुजरात के भरुच जिले में दर्दनाक हादसा हो गया। भरुच जिले के सायखा स्थित सिंजिल फार्माकैम में रिएक्टर ब्लास्ट होने से 5 कर्मचारियों की मौत हो गई। वहीं, हादस में 6 कर्मचारी घायल हुए हैं, जिन्हें कर्मचारी और कॉन्ट्रैक्टर पर कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार-शनिवार की मध्य रात्रि में हाइड्रोजनेशन प्रक्रिया के दौरान रिएक्टर फट गया। 15 किलोलीटर क्षमता वाले रिएक्टर का मलबा कंपनी परिसर के बाहर तक जा गिरा। धमाके के बाद मिथिलीन डाइक्लोराइड (एमडीसी) गैस का रिसाव होने से धूल के गुबार के बीच कर्मचारियों पर गंभीर असर पड़ा। धमाका इतना तेज था कि आसपास के 15 किलोमीटर के दायरे में आवाज सुनाई दी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। शवों की सविल अस्पताल ले जाया गया, जबकि घायलों को निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। वागरा की सायखा जीआईडीसी में 53 कर्मचारियों के साथ शुरू हुई इस कंपनी को अभी एक साल भी पूरा

नहीं हुआ है। घटना के बाद पूरी जीआईडीसी में हड़कप मच गया। पुलिस, गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और इंडस्ट्रियल सेफ्टी एंड हेल्थ विभाग सहित संबंधित अधिकारियों ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। मृतकों में कंपनी के कर्मचारी और कॉन्ट्रैक्टर पर काम करने वाले कर्मचारी शामिल हैं। इसके पहले 30 सितंबर को कर्नाटक के मंगलुरु स्थित मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) में को जोरदार धमाके के बाद आग लग गई थी। इस घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। इनमें से एक की पहचान राजेश बैपटिस्ट के रूप में हुई है, जो घटना के समय प्लांट के अंदर मौजूद थे। उनके शरीर का करीब 35 प्रतिशत हिस्सा झूलस गया था। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि पास के एक कार्यालय में मौजूद छह अन्य लोगों को मामूली चोटें आईं। धमाका इतना तेज था कि आसपास के इलाकों के घरों में कपन महसूस किया गया। कुछ नजदीकी घरों की खिड़कियां और दरवाजों के शीशे भी टूट गए, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने अपोलो अस्पताल पहुंचकर लालकृष्ण आडवाणी का हाल जाना

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली स्थित अपोलो अस्पताल पहुंचकर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी का हाल जाना। आडवाणी इस समय दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती हैं। जेपी नड्डा ने अस्पताल पहुंचकर उनका हेल्थ अपडेट लिया। 16 अक्टूबर को भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को सीने में संक्रमण की शिकायत के बाद शुक्रवार देर शाम अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों के अनुसार, 98 वर्षीय आडवाणी को शाम 7.30 बजे अस्पताल लाया गया था। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया था कि वरिष्ठ नेता का इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। 98 वर्षीय आडवाणी को इससे पहले भी इस साल मई में उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे कुछ दिनों तक अस्पताल में रहे थे और उसके बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई थी। दिसंबर 2024 में भी पूर्व उप प्रधानमंत्री को मेडिकल जांच और इलाज के लिए इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के इंटेसिव केयर युनिट (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था। उस समय वे न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में थे और अस्पताल ने बताया था कि उनकी हालत स्थिर है। एक रिपोर्ट के अनुसार 17 दिसंबर 2024 को अस्पताल ने बताया था कि आडवाणी की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है और उम्मीद है कि अगले एक-दो दिनों में उन्हें आईसीयू से बाहर शिफ्ट कर दिया जाएगा। भाजपा के इस दिग्गज नेता का पार्टी में बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने तीन बार पार्टी अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली है। वे 1986 से 1990 तक, 1993 से 1998 तक और 2004 से 2005 तक वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। इसके अलावा उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए की सरकार में अहम पदों पर काम किया है।

अपने घर पर तिरंगा नहीं लहराया होगा,सीजेपी के प्रदर्शन पर नितिन नवीन ने साधा निशाना

नई दिल्ली। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को कांग्रेस और विपक्षी दलों पर दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के दौरान तिरंगे के इस्तेमाल को लेकर निशाना साधा। बिहार की राजधानी पटना में नवीन ने आरोप लगाया, ‘विपक्ष राष्ट्रीय ध्वज की आड़ में दिल्ली में अशांति फैलाने और देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है। तिरंगा देश के सम्मान, प्रतिष्ठा और गौरव का प्रतीक है। इसे राजनीतिक टकराव या अराजकता का प्रतीक नहीं बनने दिया जा सकता।’ नवीन ने कहा कि दिल्ली की सड़कों पर अव्यवस्था फैलाने वाले लोगों को न तो सविधान की चिंता है और न ही संधानिक संस्थाओं का सम्मान। ऐसे लोगों की सोच देश के प्रति गहरी नफरत से प्रेरित है। नितिन नवीन ने राहुल गांधी पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस नेता संसद में या सार्वजनिक मंचों पर विकास के मुद्दे पर बात करने के बजाय देश में अस्थिरता पैदा करने वाले मामलों पर ध्यान देते हैं। राहुल गांधी और उनके विपक्षी सहयोगी बिहार या दिल्ली में आम लोगों की

जिंदगी में आए सकारात्मक बदलावों और विकास योजनाओं की चर्चा करते नजर नहीं आते। बीजेपी के कार्यकर्ता पहले भी देश के सम्मान के लिए आगे आए हैं और कश्मीर के श्रीनगर स्थित लाल चौक पर तिरंगा फहराने पहुंचे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुरू किए गए ‘हर घर तिरंगा’ अभियान का जिक्र किया और कहा कि विपक्ष के नेताओं के घरों पर 13 से 15 अगस्त के बीच तिरंगा फहराया गया था या नहीं, इसकी जांच की जानी चाहिए। अब वही लोग दिल्ली में तिरंगा लेकर अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और कांग्रेस समेत विपक्षी दल SIR के तहत मप्तता सूचियों

में हो रहे बदलावों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची में किए जा रहे संशोधनों में गड़बड़ियों का आरोप लगाया है। छात्र संगठनों और नागरिक समाज के लोगों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी की है। सरकार की ओर से जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने और सीजेपी नेताओं सौरव दास, आशुतोष रांका व छात्र नेता नेहा बोरा के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के बाद विवाद और बढ़ गया। लोकसभा में नेता प्रतिवक्ष राहुल गांधी ने इन गिरफ्तारियों की आलोचना करते हुए कहा कि शांतिपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज लहराना अपराध नहीं हो सकता। नितिन नवीन ने दोहराया कि राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। तिरंगा भारत की आजादी और देश की उपलब्धियों का प्रतीक है। इसे किसी भी तरह के राजनीतिक टकराव या अव्यवस्था से जोड़ना सही नहीं है। उन्होंने कहा, तिरंगा हमारे सम्मान, प्रतिष्ठा और गौरव का प्रतीक है।

त्योहारों पर महंगाई की मार, आम आदमी की थाली से लेकर रसोई तक बिगड़ा बजट सैलजा

चंडीगढ़। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं सीडब्ल्यूसी सदस्य कुमारी सैलजा ने त्योहारों के सीजन में बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार की आर्थिक नीतियों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि दीपावली सहित विभिन्न त्योहारों के अवसर पर आम आदमी को राहत मिलने के बजाय घरेलू बजट की चिंता सता रही है। खाद्य पदार्थों, घरेलू जरूरतों, शिक्षा और स्वास्थ्य पर बढ़ते खर्च ने मध्यम वर्ग, गरीब परिवारों, किसानों तथा छोटे व्यापारियों की आर्थिक परेशानियां बढ़ा दी हैं। महंगाई और बेरोजगारी की दोहरी मार ने आम परिवारों की त्योहारों की खुशियां फीकी कर दी हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस की नीति हमेशा आम आदमी की ऋय शक्ति बढ़ाने, रोजगार के अवसर पैदा करने और आवश्यक वस्तुओं को किफायती बनाने की रही है। महंगाई का आकलन केवल सरकारी आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस बात से होना चाहिए कि एक परिवार अपनी सीमित आय में कितनी जरूरतें पूरी कर पा रहा है। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार के अपने

आंकड़े महंगाई की गंभीर स्थिति उजागर कर रहे हैं। सितंबर 2026 में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.54 प्रतिशत पहुंच गई, जबकि अगस्त में यह 4.83 प्रतिशत थी। खाद्य महंगाई 5.97 प्रतिशत से बढ़कर 7.74 प्रतिशत हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई 6.08 प्रतिशत दर्ज की गई। प्याज की कीमतों में सालाना 108.09 प्रतिशत, अदरक में 62.85 प्रतिशत और लहसुन में 54.62 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। कुमारी सैलजा ने सवाल उठाया कि जब खाने-पीने की आवश्यक वस्तुओं की कीमतें इतनी तेजी से बढ़ रही हैं, तो गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार त्योहार कैसे मनाएंगे? क्या सरकार के पास महंगाई रोकने की कोई ठोस कार्ययोजना है? उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को केवल महंगाई के आंकड़ों की व्याख्या करने के बजाय जनता की वास्तविक परेशानियों का समाधान करना चाहिए। कांग्रेस की मांग है कि केंद्र सरकार जमाखोरी और मुनाफाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण लगाए, आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करे तथा गरीब एवं मध्यम वर्ग को राहत देने के लिए ठोस आर्थिक कदम उठाए।

पंजाब भाजपा ने 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू की, नशा, भ्रष्टाचार और अपराध को बनाएगी बड़ा मुद्दा

चंडीगढ़। पंजाब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को कहा कि उसने 2027 पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए जमीनी स्तर पर विचार-विमर्श, प्रस्ताव पारित करने और रणनीति बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। यह निर्णय संगरूर कस्बे में पार्टी की राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक में लिया गया। राज्य भाजपा महासचिव अनिल सरीन ने बताया कि राज्य कार्यकारिणी समिति द्वारा लिए गए निर्णयों को लागू करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने राज्य से जुड़े प्रमुख मुद्दों, जिनमें नशीली दवाओं, भ्रष्टाचार और अपराध शामिल हैं, को प्रमुखता से उठाने का निर्णय लिया है। इन मुद्दों को अपने एजेंडे के केंद्र में रखते हुए पार्टी जनता से संपर्क मजबूत करने, लोगों की समस्याओं को समझने और पंजाब के भविष्य के संबंध में अपने विचारों और नीतियों को जनता तक पहुंचाने के लिए गतिविधियां चलाएगी। अनिल सरीन ने कहा कि भाजपा के 36 संसदनात्मक जिलों में 19 अक्टूबर तक जिलास्तरीय बैठकें



आयोजित की जा रही हैं। इसके बाद 22 से 24 अक्टूबर तक मंडलस्तरीय बैठकें होंगी। इनका मुख्य उद्देश्य पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को आगामी राज्य चुनावों के लिए हुई चर्चाओं, पारित प्रस्तावों और तैयारी की गई रणनीति से अवगत कराना है। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर अंतिम रूप दिए गए कार्यक्रमों और नीतियों को जिला, मंडल और बुथ स्तर तक पहुंचाने के लिए संगठन को सक्रिय किया जा रहा है। इन बैठकों के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं को उनकी जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी जाएगी और जमीनी स्तर पर पार्टी की गतिविधियों को

कहा कि इस हत्या के मामले ने पूरे पंजाब में आक्रोश पैदा कर दिया है। भाजपा नेता ने कहा, लोग अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए सड़कों पर उतर रहे हैं और जनता पंजाब सरकार, विशेषकर मुख्यमंत्री भगवंत मान से जवाब मांग रही है, हालांकि जनता के सवालों का जवाब देने के बजाय मुख्यमंत्री फांस की यात्रा पर निकल पड़े हैं। इससे पता चलता है कि मुख्यमंत्री इस मामले को लेकर बिस्वूल भी गंभीर नहीं हैं और केवल दिखावा कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री मान विदेश यात्रा पर जाने के बजाय जनता के सवालों का जवाब देते तो बेहतर होता।

मैगी खाकर सोए और फिर उठे ही नहीं; ग्रेटर नोएडा में कैसे हुई एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

ग्रेटर नोएडा । ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा क्षेत्र के एक गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। इनमें पति-पत्नी और उनके तीन बच्चे शामिल हैं। शुरुआती जांच में मौत की वजह फूज पॉइजनिंग बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, 37 साल के महेश, 35 साल की पत्नी ललिता, साल साल की बेटी मिथी, 11 साल का बेटा लड्डू और तीन साल का साक्षत शनिवार सुबह नगला री पदम गांव में मृत पाए गए। बताया जा रहा है कि ये सभी शुक्रवार की रात मैगी खाकर सोए थे लेकिन फिर कभी उठे ही नहीं। शनिवार सुबह इनके शव कमरे में पड़े मिले। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला खाद्य विषाक्तता फूड पॉइजनिंग का लग रहा है। महेश की मां के अनुसार, परिवार ने पिछली रात मैगी खाई थी। घटना के बाद फॉरेंसिक अधिकारियों और खाद्य सुरक्षा विभाग की एक टीम ने मौके पर पहुंचकर सबूत और सैंपल इकट्ठे किए। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जेवर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक धीरेंद्र सिंह ने घटनास्थल का दौरा किया और कहा कि उन्होंने इस दुखद घटना के बारे में मुख्यमंत्री कार्यालय को जानकारी दे दी है। उन्होंने कहा, इस बात का पता लगाने पर खास ध्यान दिया जा रहा है कि परिवार ने जो खाना खाया किया था, उसमें कोई जहर मौजूद था या किसी अन्य कारण से मौत हुई। मौत के सही कारणों की पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकती है। सिंह ने कहा, एक परिवार के पांच सदस्यों की असमय मौत बेहद दुखद और हृदयविदारक है। पुलिस, प्रशासन और खाद्य विभाग की टीम जांच में जुटी हैं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि घटना के हर पहलू की निष्पक्ष जांच की जाएगी। जल्द से जल्द यह पता लगाया जाना चाहिए कि आखिर किस वजह से पूरे परिवार के सदस्यों की मौत हुई।

सरकार के दो साल: सड़क, पेयजल, उद्योग और निवेश से हरियाणा के विकास को गति देने पर जोर- नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार के लगातार तीसरे कार्यकाल के दो वर्ष पूरे होने पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बुनियादी ढांचे, औद्योगिक निवेश, पेयजल और परियोजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने औद्योगिक नीतियों के लक्ष्य बताते हुए संस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा शहरी परिवारों के कल्याण के लिए किए गए निर्णयों का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री महीपाल दांडा और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हांसी को प्रदेश का 23वां जिला बनाया गया है। प्रादेशिक सड़क उन्धान परियोजना के तहत 4 हजार 827 करोड़ रुपये की लागत से 9 हजार 410 किलोमीटर लंबी 4 हजार 227 सड़कों की मरम्मत की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 1 हजार 70 करोड़ रुपये की लागत से रेवाड़ी बाइपास



और 170 करोड़ रुपये की लागत से पिंजौर बाइपास का निर्माण कराया है। सरकार ने विधानसभा चुनाव-2024 के दौरान अनेक घोषणापत्र में प्रदेश में 10 नए IMT स्थापित करने का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में 102 करोड़ रुपये की लागत से 40 नहर आधारित और आठ नलकूप आधारित जलधर स्थापित किए गए। इसी प्रकार, 184 करोड़ रुपये की लागत से 537 नलकूप और 188 बुस्टिंग स्टेशन स्थापित किये गये। उन्होंने कहा कि घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के

लिए 1 हजार 167 करोड़ रुपये की लागत से 6 हजार 718 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन्स बिछाई गईं। सरकार ने गांवों के विकास में पंचायतों को मजबूत किया है। विभिन्न योजनाओं और वित्त आयोगों के तहत पंचायती राज संस्थाओं के विकास कार्यों के लिए 3 हजार 919 करोड़ रुपये दिये हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने 71 शहरों में 849 नए सेक्टर विकसित करने के लिए 1 लाख 67 हजार एकड़ भूमि की खरीद प्रक्रिया शुरू की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि एक जून 2026 को मेक इन हरियाणा औद्योगिक नीति-2026 सहित 10 सेक्टरों नीतियां लागू की गईं। इनके तहत अगले पांच वर्षों में 5 लाख करोड़ रुपये निवेश और 10 लाख रोजगार अवसर सृजित करने का लक्ष्य है। नीति लॉन्च कार्यक्रम में 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश

के 123 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए। मुंबई निवेश रोड शो में भी 66 हजार 821 करोड़ रुपये के निवेश से संबंधित 17 समझौते किए गए। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने नई MSME नीति-2026 भी लागू की है। इसके तहत, सरकार ने 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश, 5 लाख से अधिक नए रोजगार, हरियाणा के निर्यात को दोगुणा करने का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा, प्रदेश के 14 लाख से अधिक छोटे उद्योगों को भी इसका लाभ मिलेगा। सितंबर, 2025 से लागू केंद्रीय जी.एस.टी सुधारों से प्रदेशवासियों के 2 हजार 652 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में स्टार्टअप जी.-एस-टी सुविधा प्रकोष्ठ और पंचकुला में एम.एस. एम.ई जी.एस.टी प्रकोष्ठ शुरू किया गया है। प्रदेश के 27 कर-जिलों, 5 रेंज कार्यालयों और मुख्यालय में सुविधा केंद्र स्थापित किए गए हैं।

पोस्टमार्टम हाउस में चल रही थी दारू पार्टी, डॉक्टर के खिलाफ हो गया कड़ा ऐवशन

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में एक चौकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के एक अस्पताल में पोस्टमार्टम रूम में लोग शराब पीते नजर आए। मामले का वीडियो वायरल होने के बाद, अस्पताल के मेडिकल अफसर को सस्पेंड कर दिया गया है। मामला महाराष्ट्र में पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिका के यशवंतराव चव्हाण मेमोरियल अस्पताल का है। जिस मेडिकल अफसर को सस्पेंड किया गया है, उसका नाम, वैभव अविनाश है। इसके साथ ही उनके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू हो गई है। जानकारी के मुताबिक मामला गुरुवार रात का है। उस वक एक व्यक्ति डेथ सर्टिफिकेट लेने के लिए अस्पताल पहुंचा था। वहां पहुंचने के बाद जब उसने पोस्टमार्टम में रूम में झांका तो पाया कि ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने शराब पी रखी है। इसके बाद उसने इसका वीडियो बना लिया। देखते ही देखते यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस पर लोगों का गुस्सा भड़क उठा और आखिर विभाग को ऐवशन लेना पड़ा। वीडियो में एक मेज दिखाई दे रही है। इस पर खाना और एक बोतल बिखरी हुई है। अतिरिक्त आयुक्त कुलदीप जांगम ने इस मामले को संज्ञान में लिया और सबसे पहले डॉक्टर और संबंधित स्टाफ को नोटिस जारी किया, जिसमें उन्होंने शाम तक लिखित स्पष्टीकरण देने को कहा। चूंकि मामला मरीज की सुरक्षा और मेडिकल एथिक्स का भी था तो नगर आयुक्त विजय सूर्यवंशी ने कड़ी कार्रवाई की। अगले ही दिन निलंबन का आदेश दे दिया गया। प्रशासन ने कहा कि डॉक्टर का व्यवहार महाराष्ट्र सिविल सेवा नियमों का सीधा उल्लंघन है। उसके खिलाफ 15 दिनों के भीतर चार्जशीट दायर की जाएगी, इसके बाद विभागीय जांच पूरी की जाएगी। म्हाफके को निलंबन के दौरान पिंपरी मुख्यालय छोड़ने से रोक दिया गया है। वह यह कार्रवाई जारी रखते हुए किसी भी अन्य नौकरी या व्यवसाय में भी शामिल नहीं हो सकते। इस घटना ने सिविक रन हॉस्पिटल में निगरानी और अनुशासन को लेकर सवाल उठाए हैं।

संपादकीय

(उमेश कुमार तिवारी)

गरीबी से भी बचा रही आयुष्मान योजना

मोदी सरकार ने भारतीय समाज में जनस्वास्थ्य और गरीबी के अंतःसंबंधों को समझते हुए जिस आयुष्मान भारत योजना का आरंभ किया था, वह निर्धन, पिछड़े और जरूरतमंद वर्गों के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। इस योजना के अनेक आयाम हैं। आयुष्मान भारत योजना मात्र एक स्वास्थ्य बीमा योजना नहीं। यह एक व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन एवं समान अवसर से जोड़ने की एक सामाजिक नीति भी है। इस योजना का उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक रूप से वंचित लोगों को स्वास्थ्य बीमा के माध्यम से उन्हें गुणवत्तापूर्ण जीवन प्रदान करना है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का उद्देश्य प्रत्येक वर्ग तक उत्तम स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को सुनिश्चित करना है। सीमांत पर बसे सामाजिक समूहों में इस योजना के सामाजिक प्रभाव के अध्ययन के दौरान इस योजना के आधार तल पर पड़ने वाले प्रभावों का साकार रूप देखने को तो मिला ही, साथ ही इस योजना के बहुत प्रभावों को समझने में मदद भी मिली। गांवों में अपने फील्ड वर्क के दौरान मैंने पाया कि यह योजना समाज में वंचित वर्गों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव डाल रही है। यह योजना स्वास्थ्य बीमा द्वारा उनके जीवन की रक्षा तो कर ही रही है, साथ ही साथ उन्हें गरीबी और कर्ज के दुष्चक्र से भी बचा रही है। इस योजना के चलते गंभीर बीमारियों का निःशुल्क उपचार और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण व्यक्तियों की कार्यक्षमता में सुधार और वृद्धि दर्ज की गई है। इससे लोगों का पारिवारिक जीवन सुगम होता है और वे सामाजिक, आर्थिक दायित्वों की पूर्ति में सक्षम होते हैं। आयुष्मान योजना के सहयोग से लाभार्थी व्यक्ति उचित स्वास्थ्य लाभ के पश्चात अपने सामाजिक-आर्थिक जीवन में पुनः वापस लौट पाता है और गुणवत्तापूर्ण जीवन प्राप्त करता है। इस प्रकार यह योजना स्वास्थ्य सुरक्षा द्वारा व्यक्ति की सामाजिक एवं आर्थिक सहभागिता, दोनों को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही है। इस योजना का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव यह है कि यह सामाजिक समावेशन एवं स्वास्थ्य संबंधी असमानताओं को कम करने का प्रभावी बीमारीयों का निःशुल्क उपचार और विशेषतः ग्रामीण समाज में जहां संरचनात्मक असमानताएं व्यापक स्तर पर देखने को मिलती हैं, वहां इस योजना के माध्यम से अस्पतालों की उपलब्धता, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता, सामाजिक भेदभाव से परे व्यापक स्तर पर कमजोर एवं वंचित वर्गों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो रही हैं। इस योजना के माध्यम से गरीब र्गामी में निःशुल्क उपचार वंचित समुदाय के जीवन में जीवन की एक नई रोशनी पैदा कर रहा है। भारत में गरीबी की दर धीरे-धीरे कम होती जा रही है, किंतु अभी भी कुल जनसंख्या का 12.4 प्रतिशत हिस्सा गरीबी रेखा के नीचे वास करता है। इस गरीबी में स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च की बड़ी भूमिका होती है। भारत में स्वास्थ्य पर किए जाने वाले संपूर्ण व्यय का 62.6 प्रतिशत लोग अपनी जेब से करते हैं। स्वास्थ्य पर अपनी जेब से किए जाने वाले खर्च में तुलनात्मक रूप से भारत दुनिया का सबसे अग्रणी देश है। स्वास्थ्य पर अपने पास से किए जाने वाले खर्च ने भारत में गरीबी के प्रसार में बड़ी भूमिका निभाई है। जब कोई निर्धन व्यक्ति बीमार पड़ता है तो कई बार वह सुदखीरों से कर्ज लेता है। समाज के वंचित वर्ग के लोग बड़ी संख्या में कर्ज सूदखीरों और अनौपचारिक मध्यमों से ही लेते हैं। नेशनल सैपल सर्वे ऑर्गनाइजेशन के एक आंकड़े के अनुसार भारत की गरीबी में लगभग 2.61 प्रतिशत की वृद्धि स्वास्थ्य संबंधी खर्चों के कारण होती है। इलाज की खातिर लिया जाने वाला कर्ज चक्रवृद्धि व्याज की तरह बढ़ता जाता है। यदि गरीब परिवार का कोई सदस्य लंबे समय तक बीमार रहकर घर या अस्पताल में रहने को बाध्य होता है तो इससे आय सुजन न हो पाने के कारण वह परिवार गरीबी की खाई में धंसता जाता है। भारत सरकार ने इन्हीं स्थितियों को समझते हुए आयुष्मान भारत योजना का आरंभ किया। आयुष्मान भारत योजना के तहत हर गरीब परिवार को साल भर में पांच लाख रुपये तक का केशोल्स इलाज सरकारी और सूचीबद्ध अस्पतालों में मिलता है। एक आंकड़े के अनुसार अब तक कुल 12.69 करोड़ से अधिक अस्पतालों में भर्ती लोगों के इलाज में 1.92 लाख करोड़ से ज्यादा राशि का इलाज मुहैया कराया जा चुका है। इस योजना के तहत भारत में अब तक कुल 42.31 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। इनमें से 49 प्रतिशत कार्ड महिलाओं और 51 प्रतिशत कार्ड पुरुषों के नाम पर बनाए गए हैं। अकेले उत्तर प्रदेश में इस योजना के तहत 5.59 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। गांव की एक बूढ़ी महिला ने बताया कि, जब मुझे पेट की बीमारी हुई तो लगा अब नहीं बचेगी। गरीब के पास अस्पताल जाने की कूवत्त कहां। बेटे को न जाने कहां से आयुष्मान योजना के बारे पता चला। उसे हासिल कर अस्पताल गए तो इलाज हुआ। जन स्वास्थ्य की इस योजना ने गांवों और शहरों की झुग्गी बस्तियों तक अपने प्रभाव को फैलाया है। इसने समाज के एक हिस्से को निर्धनों से मुक्त होने में मदद तो की ही है, उन्हें यह भी अहसास कराया है कि सरकार उनकी जरूरतों को समझती है और उनके प्रति संवेदनशील है।

नई दिल्ली

संपादकीय

उत्तर प्रदेश में नामांकन की चुनौतियां, अयोध्या चैलेंज और राजनैतिक भविष्य का शंखनाद

भारतीय राजनीति का यह एक सर्वमान्य और समय-सिद्ध सिद्धांत है कि दिल्ली का रास्ता लखनऊ के गलियारों से होकर ही गुजरता है। उत्तर प्रदेश न केवल देश का सबसे बड़ा राज्य है, बल्कि यह वह राजनैतिक कुरुक्षेत्र भी है जहां राष्ट्रीय स्तर के बड़े-बड़े सियासी सूरमाओं का भाग्य तय होता है। वर्ष 2026 के इस उत्तरार्ध में कदम रखते ही प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सरगमियां अपने चरम पर पहुंच चुकी हैं और संपूर्ण राज्य एक बार फिर एक बड़े लोकतांत्रिक उत्सव और उसकी जटिलताओं के मुहाने पर खड़ा है। किसी भी चुनाव प्रक्रिया का सबसे पहला, महत्वपूर्ण और प्रशासनिक रूप से संवेदनशील पड़ाव नामांकन होता है, जो केवल एक कानूनी या प्रशासनिक औपचारिकता मात्र नहीं है, बल्कि यह किसी भी राजनैतिक दल की सांघटनिक शक्ति, आंतरिक अनुशासन और जमीनी रणनीति का लिटमस टेस्ट है। इस प्रक्रिया में आने वाली चुनौतियां न केवल चुनाव आयोग और प्रशासन के धैर्य की परीक्षा लेती हैं, बल्कि यह विभिन्न राजनैतिक दलों के अस्तित्व और उनकी साख से भी जुड़ी होती हैं। इस बार, यह नामांकन प्रक्रिया सिर्फ कागजी कार्यवाहियों तक सीमित नहीं है, बल्कि सूबे के दो सबसे बड़े दिग्गजों—मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव—के बीच सीधे नामांकन चैलेंज के रूप में तब्दील हो चुकी है, जिसने उत्तर प्रदेश की सियासत में एक अभूतपूर्व भूचाल पैदा दिया है। इस राजनैतिक रस्साकशी की शुरुआत तब हुई जब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अयोध्या का दौरा किया और सतारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर तीखा तर्क करते हुए दावा किया कि सपा द्वारा उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद भाजपा सर्वे पर सर्वे करा रही है और उसे अयोध्या में खड़ा करने के लिए

कोई उपयुक्त प्रत्याशी ही नहीं मिल रहा है। अखिलेश ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सीधे चुनौती दे डाली कि अगर उन्हें अपनी लोकप्रियता और विकास कार्यों पर सबसे बड़ा राज्य है, तो वे खुद आगामी विधानसभा चुनाव में अयोध्या सीट से मैदान में उतरकर दिखाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस चुनौती को न सिर्फ स्वीकार किया, बल्कि इसे एक कदम आगे बढ़ाते हुए अखिलेश यादव को ही कटघरे में खड़ा कर दिया और एक सार्वजनिक कार्यक्रम में साफ शब्दों में कहा कि अगर दम है तो अखिलेश भी अयोध्या से चुनाव लड़ें और वे भी लड़ेंगे, दोनों आमने-सामने नामांकन दाखिल कर एक बार अपनी किस्मत आजमा लें ताकि मामला हमेशा के लिए तय हो जाए। योगी के इस सीधे प्रहार पर अखिलेश यादव ने भी तुरंत प्रतिक्रिया दी और इस सीधे मुकाबले को यह कहते हुए टालने की कोशिश की कि भाजपा को हराने के लिए उनका एक युवा पीढ़ीए प्रहरी ही काफी है। इस जुबानी जंग ने यह साफ कर दिया है कि आगामी चुनावों में नामांकन का दौरा कितना हाई-वोल्टेज होने वाला है और दोनों खेमों द्वारा एक-दूसरे की घेराबंदी का यह सबसे आक्रामक रूप है। किसी भी राजनैतिक दल के लिए चुनाव की घोषणा के बाद नामांकन का चरण सबसे अधिक तनावपूर्ण और आंतरिक संघर्षों से भरा होता है क्योंकि टिकटों की घोषणा से लेकर नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम मिनट तक दलों के भीतर जो उथल-पुथल मचती है, वह सांगठनिक ढांचे को हिलाकर रख देती है। टिकट न मिलने से नाराज कार्यकर्ताओं और नेताओं का विद्रोह उत्तर प्रदेश की राजनीति का एक कड़वा और अपरिवर्तनीय सच है, जहां नामांकन के ठीक पहले पाला बदलना, रातों-रात प्रतिद्वंद्वी पार्टी की सदस्यता ले लेना, निर्दलीय पर्व दाखिल कर देना या अपनी ही

पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार का खेल बिगाड़ने के लिए किसी डमी प्रत्याशी को खड़ा कर देना सबसे बड़ा सांगठनिक चैलेंज बन जाता है। भारतीय जनता पार्टी जैसी कैडर-आधारित पार्टी हो या समाजवादी पार्टी जैसी मजबूत क्षेत्रीय ताकत, आंतरिक असंतोष को दबाना और रूढ़े हुए नेताओं को मनाना इस समय दोनों ही खेमों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है, और जब बड़े नेता एक-दूसरे को सीधे नामांकन की चुनौती दे रहे हों, तो जमीनी कार्यकर्ताओं को अनुशासित रखना और अधिक मुश्किल हो जाता है। इसके साथ ही, चुनाव आयोग ने हाल के वर्षों में नामांकन पत्रों की रकवर्तनी और हलफनामों की समीक्षा को अत्यधिक कड़ा कर दिया है, जिसके तहत शपथ पत्र में अपनी संपत्ति, आपराधिक इतिहास, शैक्षणिक योग्यता और वित्तीय देनदारियों का स्वीकार भी लगे हुए विवरण देना पूरे नामांकन को निरस्त करा सकता है, जैसा कि हाल ही में संपन्न हुए राज्यसभा और विधान परिषद द्विवार्षिक चुनावों के दौरान कुछ निर्दलीय व छोटे दलों के उम्मीदवारों के पर्वे खारिज होने से साबित भी हो चुका है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल, सघन आबादी और राजनैतिक रूप से संवेदनशील राज्य में नामांकन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना जिला प्रशासनों और police महकमे के लिए किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होता क्योंकि कलेक्ट्रेट और कमिश्नरी कार्यालयों के बाहर का दृश्य अक्सर राजनैतिक शक्ति प्रदर्शन का अखड़ा बन जाता है। नामांकन दाखिल करने जाते समय उम्मीदवारों द्वारा भारी भीड़ जुटाना, अपनी ताकत का अहसास कराना और गाड़ियों के लंबे काफिले ले जाना एक आम चलन बन चुका है, जिसके कारण चुनाव आयोग के कई नियमों के बावजूद कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर समर्थकों का हुजूम नियंत्रित करना पुलिस के लिए सबसे बड़ा

सिरदर्द साबित होता है और इस दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामले सबसे ज्यादा दर्ज होते हैं। उत्तर प्रदेश के कई जिले राजनैतिक और सामाजिक रूप से अत्यधिक संवेदनशील माने जाते हैं, जहां नामांकन के दौरान प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच टकराव की आशंका बनी रहती है, जिससे निपटने के लिए प्रशासन को चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन कैमरों और भारी संख्या में प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी तथा अर्धसैनिक बलों की तैनाती करनी पड़ती है ताकि पूरी नामांकन प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। इस चुनावी माहौल में डिजिटल तकनीक जहां एक परदान है, वहीं यह प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती भी बनकर उभरी है क्योंकि हाल के हफ्तों में सोशल मीडिया पर उत्तर प्रदेश में पंचायत और स्थानीय निकायों के चुनावों के नामांकन और तारीखों को लेकर कई फर्जी और भ्रामक खबरें प्रसारित की गईं, जिनका खंडन करना और जनता के बीच सही सूचना पहुंचाना राज्य निर्वचन आयोग के लिए एक अतिरिक्त प्रशासनिक चुनौती बन गया है।

वास्तव में, योगी और अखिलेश के बीच छिड़ा यह नामांकन युद्ध आगामी महासमर की नींव रख रहा है और वर्तमान में जो भी सांगठनिक फेरबदल या राजनैतिक बयानबाजी हो रही है, वह मुख्य चुनाव के मद्देनजर ही की जा रही है, जिसमें सभी प्रमुख दलों के सामने अपनी-अपनी विशिष्ट चुनौतियां हैं। लगातार दो बार राज्य की सत्ता पर काबिज रहने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा के सामने सत्ता विरोधी लहर को कम करने और नए चेहरों को मौका देने की चुनौती होगी, और जब विधानसभा चुनाव के वास्तविक नामांकन शुरू होंगे, तब मौजूदा विधायकों

के टिकट काटने या बदलने पर जो आंतरिक असंतोष पैदा होगा, उसे संभालना पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और योगी आदित्यनाथ के लिए सबसे बड़ा इम्तिहान होगा। दूसरी तरफ, समाजवादी पार्टी पिछले कुछ समय से अपने पीड़ीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले के साथ खुद को री-ब्रांड कर रही है, और अखिलेश यादव के लिए चुनौती यह होगी कि वे टिकट वितरण और नामांकन के समय इस सामाजिक समीकरण को जमीन पर कैसे उतारते हैं तथा अयोध्या जैसी प्रतीकात्मक और हाई-प्रोफाइल सीट पर योगी आदित्यनाथ की सीधी चुनौती का सामना करने के लिए वे अपने मौजूदा घोषित प्रत्याशी पर भरोसा बनाए रखते हैं या खुद मैदान में उतरकर इस राजनैतिक जुए को खेलने का साहस दिखाते हैं। नामांकन की प्रक्रिया लोकतंत्र के भव्य भवन की वह पहली ईंट है, जिस पर पूरे चुनाव की शुचित्ता, विश्वसनीयता और पारदर्शिता टिकी होती है और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में, जहां की राजनीति जाति, धर्म, क्षेत्रीयता, बाहुबल और धनबल के अत्यधिक जटिल ताने-बाने से बुनी गई है, वहां नामांकन को निर्विघ्न और निष्पक्ष बनाना एक युगांतकारी कार्य है। योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव के बीच का अयोध्या नामांकन चैलेंज यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश का आगामी चुनाव किसी भी सामान्य चुनाव से अलग, एक वैचारिक और व्यक्तिगत प्रतिष्ठा की लड़ाई बनने जा रहा है। चुनौतियां चाहे राजनैतिक दलों के भीतर टिकटों को लेकर मंचे घमासान की हों, कलेक्ट्रेट के बाहर कानून-व्यवस्था की हों, या फिर दोनों शीर्ष नेताओं के बीच आमने-सामने के मुकाबले की हों—इन सबका समाधान केवल और केवल सख्त प्रशासनिक इच्छाशक्ति, चुनाव आयोग की निष्पक्षता और राजनैतिक दलों की लोकतांत्रिक परिपक्वता में ही निहित है।

अमेरिका के लिए संकट की घड़ी



ड्रोन हमलों को नाकाम नहीं कर पा रही, जिससे युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। ईरान और रूस का समन्वय सिर्फ जमीनी युद्ध क्षेत्र तक ही सीमित नहीं। पश्चिमी खुफिया एजेंसियों के आकलन के अनुसार अंतरिक्ष में गश्त कर रहे कम से कम 14 रूसी सैटेलाइट ईरान से वास्तविक काल की भू-स्थानिक, रडार और सिग्नल इंटेलिजेंस से जुड़ी खुफिया जानकारीयां लगातार साझा कर रही हैं, जिसके चलते ईरानी फौज लगातार खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने में सफल रही है। इससे अमेरिकी सेनाओं को अच्छा-खासा नुकसान उठाना पड़ा है। रूस ने ऐसा इसलिए किया है, ताकि अमेरिका और पश्चिमी देशों द्वारा रूस के अति महत्वपूर्ण ठिकानों पर यूक्रेन के जरिये कराए गए इजरायली वायु प्रतिरक्षा प्रणालियां ईरानी

अमेरिका के हथियार भंडार को इतना कम किया जा सके कि वह यूक्रेन को अधिक सहायता न पहुंचा पाए। इसका असर दिखाई भी देने लगा है। रूस-यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-ईरान संघर्ष के एक साथ चलने की वजह से अमेरिकी सेना के पास रक्षा साजोसामान की भारी किल्लत हो गई है। पेंटागन ने चेतावनी दी है कि अगर इस समय कोई और बड़ा वैश्विक युद्ध छिड़ गया, तो अमेरिका के पास हथियारों का स्टॉक पूरी तरह खत्म होने का खतरा है। ईरान और उसके समर्थित गुटों के ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल हमलों को रोकने के लिए अमेरिकी सेना को अपनी इन सबसे आधुनिक मिसाइलों का इस्तेमाल करना पड़ा है, जिसके चलते अमेरिका ने अपने एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम के लगभग 80 प्रतिशत स्टॉक का इस्तेमाल कर लिया है। अमेरिका के

आधुनिक पैट्रियट मिसाइल इंटरसेप्टर्स का 50 प्रतिशत से 60 प्रतिशत स्टॉक खत्म हो चुका है। अमेरिका के लिए पश्चिम एशिया में वही स्थिति उत्पन्न हो गई है, जो उसने रूस के लिए यूक्रेन में उत्पन्न की थी। इस संकट के पीछे कम लागत वाले आधुनिक हाइब्रिड युद्ध का गणित है। रूस और ईरान बहुत कम लागत में हर महीने हजारों की तादाद में आत्मघाती ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलें बना रहे हैं। इसके विपरीत इन्हें विफल करने के लिए अमेरिका के पैट्रियट जैसे रक्षा सिस्टम को बनाने में बहुत जटिल तकनीक और एडवांस गाइडेंस सिस्टम की जरूरत होती है। अमेरिकी कंपनियां इन मिसाइलों को उतनी तेजी से नहीं बना पा रही हैं, जितनी तेजी से ये युद्ध के मैदान में खर्च हो रही हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के अनुसार पश्चिम एशिया में मिसाइलें भेजने की वजह से यूक्रेन को पहले के मुकाबले सिर्फ एक-तिहाई एयर-डिफेंस मिसाइलें मिल पा रही हैं।

इसका प्रभाव अब चीन के मोर्चे पर भी दिखाई देने लगा है, जहां अमेरिका ने अपने सहयोगी देशों को हथियारों की आपूर्ति में पांच साल तक की देरी होने की चेतावनी दी है। जापान को मिलने वाली टोमाहाक मिसाइलों में दो साल की देरी हो चुकी है। ताइवान भेजी जाने वाली 14 अरब डालर की हथियारों की खेप को बीच में ही रोकना पड़ा है, ताकि अमेरिकी सेना अपने खुद के स्टॉक को बचा सके। जहां ईरान पहले से ही होर्मुज जलमार्ग को बंद

करके अपनी ताकत दिखा चुका है, वहीं अब उसके समर्थक यमन के हूतियों के जरिये बाब अल-मंडेब पर कब्जा करके उसने दुनिया के दो सबसे महत्वपूर्ण समुद्री ऊर्जा मार्गों पर अपना शिकंजा कस लिया है।

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिका से हूतियों पर हमले की अपील की थी, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने ईरान के साथ चल रहे युद्ध और यूक्रेन में लड़ने मोर्चे के चलते हथियारों की किल्लत के कारण यमन में नया मोर्चा खोलने से मना कर दिया। अमेरिका के पास इतने उन्नत हथियार और प्रतिरक्षा प्रणालियां नहीं बची हैं कि वह एक साथ ईरान से लड़े, यूक्रेन की मदद करे और यमन में भी एक नया मोर्चा संभाल सके। वैसे तो रूस सीधे तौर पर यमन में हुई इस उथल-पुथल में शामिल नहीं, परंतु उसका चलते मास्को को बड़ा फायदा हो रहा है, क्योंकि लाल सागर का रास्ता असुरक्षित होने से कच्चे तेल की कीमतें 106 डालर प्रति बैरल के पार चली गई हैं। इससे आर्थिक प्रतिबंधों से जूझ रहे रूस के तेल निर्यात की वैल्यू बहुत बढ़ गई है। इसका सीधा आर्थिक नुकसान पश्चिमी देशों को झेलना पड़ रहा है, जहां ईंधन के दाम बढ़ रहे हैं। इस तरह यह युद्ध न सिर्फ अमेरिकी सैन्य शक्ति की सीमाएं जगजाहिर कर रहा है, बल्कि प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध तथा सोवियत संघ के विघटन के बाद बनी विश्व व्यवस्था को भी विघटित करता प्रतीत हो रहा है।

केजरीवाल की हरी झंडी के बाद कांग्रेस -सीजेपी में हुई दोस्ती! क्या पंजाब चुनाव मिलकर लड़ेंगे कांग्रेस और आप

दिल्ली के जंतर-मंतर पर तिरंगा लहराने, छात्रों की गिरफ्तारी और विरोध-प्रदर्शन के अधिकार को लेकर छिड़ा विवाद अब महज कानून-व्यवस्था का मामला नहीं रह गया है। इसके मंच पर देश की सियासत का एक नया नाटक भी आकार लेने लगा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कांकेरोच जनता पार्टी के नेताओं की गिरफ्तारी पर जिस अंदाज में आवाज बुलंद की है, उससे साफ है कि विपक्ष अब इस आंदोलन को अपने बड़े राजनीतिक अभियान से जोड़ने की कोशिश में है। सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी को अचानक CJP के आंदोलन में लोकतंत्र की नई उम्मीद दिखाई देने लगी है, या फिर इसके पीछे चुनाव आयोग, मतदाता सूची और भाजपा के खिलाफ विपक्षी मोर्चे को मजबूत करने की रणनीति काम कर रही है हम आपको बता दें कि राहुल गांधी ने सेशनल मीडिया मंच झ्र पर कहा कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान तिरंगा लहराना कोई अपराध नहीं है और ऐसा करने पर युवाओं को जेल में डालना और कारागार है। उन्होंने छात्रों, युवाओं, पत्रकारों और INDIA गठबंधन का जिक्र करते हुए दावा किया कि अलग-अलग बैनर के बावजूद सबकी लड़ाई संवैधानिक अधिकारों की मांग करना ही है। उनका संदेश था कि जंतर-मंतर जनता का है और उससे वापस हासिल किया

जाएगा। देखा जाये तो बात सुनने में दमदार है। आखिर लोकतंत्र में विरोध की आवाज को जगह मिलनी ही चाहिए। लेकिन राजनीति में केवल भाषण नहीं, उसके पीछे की टाइमिंग भी बहुत कुछ कहती है। राहुल गांधी का यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि CJP के आंदोलन को लेकर कांग्रेस का रुख अब तक इतना खुला और स्पष्ट नहीं था। सवाल उठता है कि पहले दूरी, अब दोस्ती क्यों? हम आपको याद दिला दें कि परीक्षाओं में गड़बड़ी और पेपर लीक के खिलाफ जुलाई में CJP ने जंतर-मंतर पर 17 दिनों तक प्रदर्शन किया था। सोशल मीडिया पर इस संगठन की चर्चा बढ़ी, लेकिन कांग्रेस के बड़े नेताओं ने शुरुआत में उससे दूरी बनाए रखी। पार्टी का जोर अपने अभियानों ‘छात्रों की गुंज’ और ‘वोट चोरी पर रहा। संदेश साफ था कि पेपर लीक और मतदाता सूची की कथित अनियमितताओं जैसे मुद्दों पर कांग्रेस पहले से लड़ाई लड़ रही है। यानी आंदोलन का मुद्दा वही था, लेकिन मंच अलग-अलग थे। कांग्रेस अपनी राजनीतिक जमीन पर किसी दूसरे संगठन को ज्यादा जगह देने के मूड में नहीं दिख रही थी। देखा जाये तो विपक्ष की राजनीति में मुद्दों से ज्यादा महत्वपूर्ण कई बार यह हो जाता है कि मुद्दे का श्रेय किसे मिलेगा। इसके बाद, 10 अक्टूबर को CJP ने मुख्य निर्वाचन

आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SAR) से जुड़े मुद्दों पर प्रदर्शन का आह्वान किया, लेकिन कांग्रेस उससे दूर रही। 12 अक्टूबर को जब विपक्षी दलों ने अपना मार्च निकाला, तब CJP भी उस कार्यक्रम से अलग रही। एक ही मुद्दे पर अलग-अलग प्रदर्शन विपक्ष की एकजुटता के दावों पर सवाल खड़े कर रहे थे। अब राहुल गांधी का कहना है कि कोई समानांतर प्रदर्शन नहीं है, बल्कि लड़ाई एक ही है। यही वह राजनीतिक मोड़ है, जहां कांग्रेस ने CJP के आंदोलन को अपने व्यापक विपक्षी अभियान से जोड़ने का संकेत दिया है। CJP के नेताओं सौरव दास और अभिषेक राका को जंतर-मंतर में अनधिकृत प्रवेश के आरोप में गिरफ्तार किए जाने और पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद विपक्ष ने सरकार पर हमला तेज कर दिया है। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तुणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने तिरंगा लहराने पर भारतीयों की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा पर निशाना साधा और भारत को ‘पाकिस्तानाइज्ड’ करने का आरोप लगाया। वहीं, CPI(ML) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने जंतर-मंतर को जनता का प्रदर्शन स्थल बताते हुए गिरफ्तारी और हिरासत को

अनुचित करार दिया। विपक्ष का तर्क है कि जब नागरिक अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करना चाहते हैं, तो उन्हें पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। दूसरी तरफ, किसी भी प्रदर्शन के मामले में प्रशासन को प्रवेश, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था से जुड़े नियमों का हवाला देने का अधिकार होता है। साथ ही इस विवाद का एक और अहम पहलू है। सरकार के जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थल के रूप में समाप्त करने के फैसले के बाद विपक्ष इसे जनता के विरोध के अधिकार से जोड़ रहा है। ऐसे में जंतर-मंतर अब राजनीतिक प्रतीक बनता जा रहा है। इसके अलावा, राहुल गांधी की राजनीति में एक बड़ी चुनौती लंबे समय से यही रही है कि अलग-अलग मुद्दों पर उठने वाली आवाजों को एक साझा राजनीतिक अभियान में कैसे बदला जाए? CJP के साथ खड़े होने का उनका फैसला इसी दिशा में एक कोशिश के तौर पर देखा जा सकता है। छात्रों का असंतोष, पेपर लीक का मुद्दा, मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के आरोप और प्रदर्शन में परोकर कांग्रेस भाजपा के खिलाफ व्यापक मोर्चा तैयार करना चाहती है। लेकिन यहां एक पेचीदा सवाल भी है। यदि कांग्रेस पहले से इन मुद्दों पर आंदोलन कर रही थी, तो CJP के साथ

खड़े होने में इतनी देर क्यों हुई? और अगर लड़ाई वास्तव में एक ही है, तो 10 और 12 अक्टूबर को अलग-अलग प्रदर्शन क्यों हुए? इन सवालों का जवाब केवल बयानबाजी से नहीं मिलेगा। विपक्ष को यह साबित करना होगा कि उसकी एकजुटता केवल राजनीतिक सुविधा का गठजोड़ नहीं, बल्कि मुद्दों पर आधारित साझा प्रतिबद्धता है। दूसरी ओर, सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रदर्शन स्थलों और प्रशासनिक नियमों के नाम पर नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकार अनावश्यक रूप से बाधित न हों। इस पूरे सियासी घटनाक्रम में एक दिलचस्प पहलू आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल का भी है। CJP को अरविंद केजरीवाल की राजनीतिक उपज माना जाता है और आम आदमी पार्टी पाता का उसके आंदोलनों के प्रति समर्थन भी इस चर्चा को हवा देता है। ऐसे में राहुल गांधी का अचानक CJP के साथ खुलकर खड़ा होना कई सियासी सवाल पैदा करता है। क्या यह महज लोकतांत्रिक अधिकारों के समर्थन का मामला है, या इसके पीछे विपक्षी राजनीति की कोई बड़ी बिसात बिछाई जा रही है? क्या CJP के बहाने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच जमी सियासी बर्फ पिघलाने की कोशिश हो रही है? और क्या इसे अरविंद केजरीवाल की

INDIA गठबंधन में संभावित वापसी के संकेत के तौर पर भी देखा जाना चाहिए? सवाल इसलिए भी अहम है क्योंकि पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी एक-दूसरे के प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं। ऐसे में अगर दिल्ली के राजनीतिक मंच पर दोनों के बीच नजदीकी बढ़ती है, तो पंजाब की सियासत में इसका क्या असर पड़ेगा? क्या दोनों दल एक तरफ राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ साझा रणनीति बनाने और दूसरी तरफ पंजाब में एक-दूसरे को चुनौती देने का दोहरा खेल खेलेंगे? देखा जाये तो भारतीय राजनीति में अक्सर सार्वजनिक मंचों पर दिखने वाली एकजुटता भविष्य के राजनीतिक समीकरणों की जमीन भी तैयार करती है। ऐसे में राहुल गांधी का CJP के समर्थन में उतरना केवल एक आंदोलन के पक्ष में दिया गया बयान है या कांग्रेस और केजरीवाल के बीच नए सियासी संवाद की शुरुआत, इस पर निगाहें बनी रहेंगी। बहरखात, राहुल गांधी का CJP के समर्थन में उतरना कांग्रेस की रणनीति में बदलाव का संकेत है। यह कदम विपक्ष को एक साझा मंच देने की कोशिश भी हो सकता है और भाजपा के खिलाफ राजनीतिक बढ़त हासिल करने का अवसर भी क्योंकि भारतीय राजनीति में दोनों संभवनाएं एक साथ मौजूद रहती हैं।



एक नज़र

दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी का लहरा दो तिरंगा मार्च, इन 22 सड़कों पर लोगों को हो सकती है परेशानी

नई दिल्ली। दिल्ली के कर्नाट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में शुक्रवार (16 अक्टूबर) की शाम कॉकरोच जनता पार्टी के प्रस्तावित लहरा दो तिरंगा मार्च को देखते हुए दिल्ली में कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। जिसके चलते कई रास्तों को बंद भी किया गया है, और साथ ही कुछ रास्तों में यात्रा संबंधी पाबंदियां भी लगाई गई हैं। ऐसे में लोगों को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए दिल्ली की यातायात पुलिस ने एक ट्रैफिक एडवायजरी जारी की है, और इसके जरिए उन्होंने लोगों को बताया है कि परेशानी से बचने के लिए वे किन मार्गों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस ट्रैफिक एडवायजरी के बारे में सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए यातायात पुलिस ने बताया कि एक प्रस्तावित सभा को देखते हुए कर्नाट प्लेस और उसके आसपास की कुछ सड़कों पर ट्रैफिक की आवाजाही दोपहर 3 बजे से प्रभावित होने की संभावना है। ऐसे में यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं, पर्याप्त यात्रा समय रखें और जहां तक संभव हो सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। इसके साथ ही पुलिस ने बताया कि मौजूदा स्थिति के आधार पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया जा सकता है। इस एडवायजरी को जारी करते हुए यातायात पुलिस ने लाइव अपडेट, वैकल्पिक मार्ग और निरंतर यातायात अलर्ट के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को देखते रहने की अपील भी की।

नाबालिग रेप पीड़िता को 31 हफ्ते का गर्भ गिराने की इजाजत, हाई कोर्ट ने आदेश में क्या कहा

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने 16 साल की बलाकार पीड़िता को 31 हफ्ते का गर्भ गिराने की अनुमति दे दी है। यह याचिका पीड़िता की मां की तरफ से हाई कोर्ट में दायरिल की गई थी। हाई कोर्ट ने माना कि पीड़िता नाबालिग है। वह यह गर्भ गिराना चाहती है। उसने अपनी याचिका में कहा है कि गर्भ को जारी रखने से उसे मानसिक आघात लग सकता है। ऐसे में यह आदेश देना उचित है। जस्टिस मिनी पुष्करणा की पीठ ने लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल प्रशासन को निर्देश दिया है कि वह योग्य डॉक्टरों की देखरेख में इस प्रक्रिया को पूरा करेंगे। पीठ ने कहा कि पीड़िता की उचित देखभाल की जाए। पीठ ने यह भी कहा कि अगर बच्चा जीवित पैदा होता है तो इसकी जानकारी बाल कल्याण विभाग(सीडब्ल्यूसी) को दे। पीठ ने कहा कि अगर गर्भपात हो जाता है तो भ्रूण को डीएनए सैंपल के लिए संरक्षित रखा जाए और अगर बच्चे का जन्म हो जाता है, तो सीडब्ल्यूसी बच्चे को गोद देने की प्रक्रिया शुरू कर सकता है। इस मामले में पीड़िता की मां की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि उनकी बेटी महज 16 साल की है। उसके साथ बलाकार हुआ। इसकी वजह से वह गर्भवती हो गई। अगर अब वह इस बच्चे का जन्म देती है तो उसे और परिवार को मानसिक आघात लगेगा। पीड़िता ने पीठ के सामने गर्भपात की मंशा जाहिर की। इसके बाद ही पीठ ने गर्भपात की अनुमति दी है। इस मामले में पीठ ने दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण को कहा है कि पीड़िता के पुनर्वास के लिए उसे मुआवजा रकम का भुगतान किया जाए। पीठ ने 15 अक्टूबर को जारी अपने आदेश में कहा है कि पीड़िता और उसके परिवार की पहचान किसी भी तरीके से उजागर नहीं होनी चाहिए। उनकी तस्वीर या पता सार्वजनिक ना किया जाए।

दिल्ली- एनसीआर में शादी रजिस्टर कराने पहुंच रहे 50 फीसदी से ज्यादा लोगों के आवेदन हो रहे रद्द

गाजियाबाद। शादी रजिस्टर कराने पहुंच रहे आवेदकों के आधे से ज्यादा आवेदन रद्द हो रहे हैं। इसकी प्रमुख वजह आधार नंबर के वैरिफिकेशन में सामने आ रही गड़बड़ियां हैं। दिल्ली और हरियाणा से जुड़े आधार कार्ड के आधार पर आवेदन करने वाले कई जोड़ों के दस्तावेज वैरिफिकेशन में सही नहीं पाए जा रहे हैं। ऐसे में उनके शादी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है। शादी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया में आधार वैरिफिकेशन को अनिवार्य किए जाने के बाद दस्तावेजों की जांच पर विशेष जोर दिया जा रहा है। एक अप्रैल 2026 से लागू नए नियमों के तहत आधार नंबर का वैरिफिकेशन होने के बाद ही विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। सत्यापन के दौरान जानकारी का मिलान नहीं होने पर आवेदन रद्द किए जा रहे हैं। पिछले एक महीने में आए 60 आवेदनों में से 30 निरस्त किए जा चुके हैं। वहीं, पिछले छह महीने में 200 से ज्यादा आवेदन निरस्त किए गए हैं। विवाह पंजीकरण में आधार सत्यापन का उद्देश्य आवेदकों की पहचान और दस्तावेजों की प्रामाणिकता सुनिश्चित करना है।

नई दिल्ली



दिल्ली में एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट से नाम कटने पर फॉर्म-6 भरने की अनुमति, झूठा घोषणापत्र को कहा गलतफहमी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान गणना प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाने के कारण मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मामले में दायर याचिका का निपटारा कर दिया है। उच्च न्यायालय ने कहा कि ऐसे मतदाता भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के सुझाव के अनुसार फॉर्म-6 भरकर मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। उच्च न्यायालय ने यह आशंका भी गलतफहमी करार दी कि फॉर्म-6 जमा करने पर उन्हें गलत घोषणा करने के आरोप का सामना करना पड़ सकता है। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि संबंधित आवेदनों पर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता और न्यायमूर्ति अदिति चौधरी की बेंच दो ऐसे मतदाताओं की याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिनके नाम दिल्ली में एसआईआर के दौरान गणना प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण मतदाता सूची से हटा दिए गए।

याचिकाकर्ताओं ने निर्वाचन आयोग की उस प्रक्रिया को चुनौती दी है, जो एसआईआर के दौरान गणना में शामिल नहीं हो पाए मौजूदा मतदाताओं के लिए निर्धारित की गई। याचिकाकर्ताओं की मांग थी कि मतदाता सूची में उनकी प्रविष्टियां बहाल की जाएं। नाम में सुधार या उसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए फॉर्म-8 भरने की अनुमति दी जाए। उनका कहना था कि



उन्हें पुराने पते से दूसरे स्थान पर पेश जाना पड़ा था, जिसके कारण वे गणना फॉर्म नहीं भर सके। अंततः मतदाता सूची से उनके नाम हटा दिए गए। उन्होंने नए सिर से नाम शामिल कराने के लिए फॉर्म-6 भरने की आवश्यकता पर आपत्ति जताई।

मुआवजा दिलावड़; दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के बीच रेस्टोरेंट मालिक ने हाई कोर्ट से क्या कर दी मांग नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में हो रहे विरोध प्रदर्शन के बीच एक रेस्टोरेंट मालिक ने चल रहे प्रदर्शनों के कारण हुए नुकसान के लिए मुआवजे की मांग करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। रेस्टोरेंट मालिक ने यह भी अपील की है कि सीजेपी (कॉकरोच जनता पार्टी) को शुक्रवार को कर्नाट प्लेस के सेंट्रल पार्क में कोई सभा आयोजित करने की अनुमति न दी जाए। कार्यवाहक चीफ जस्टिस नितिन वासुदेव साम्बे और जस्टिस संजय शर्मा की खंडपीठ ने निर्देश दिया कि इस मामले को इससे जुड़ी अन्य याचिकाओं के साथ सूचीबद्ध किया जाए। वकील उमंग त्यागी ने पीठ के सामने इस मामले का उल्लेख किया। यह याचिका वकील उमंग त्यागी, संयम दहिया और जुबेर अली के माध्यम से दायर की गई है। याचिका में बताया गया है कि याचिकाकर्ता आयुष चोपड़ा का परिवार एक जुलाई 2017 से नई दिल्ली के कर्नाट प्लेस में मीनार रेस्टोरेंट चला रहा है, जो सेंट्रल पार्क से लगभग सात सौ मीटर की दूरी पर स्थित है। बताया गया है कि 14 अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक ने लोगों से 16 अक्टूबर को शाम 5 बजे कर्नाट प्लेस के सेंट्रल पार्क में इकट्ठा होने की अपील की। याचिकाकर्ता ने दो तरह की राहत मांगी है। पहली संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया जाए कि वे इस सभा (और कर्नाट प्लेस बाजार में किसी भी अन्य अनधिकृत विरोध प्रदर्शन या जमावड़े) को अनुमति न दें और इसे रोकें, क्योंकि इससे याचिकाकर्ता और अन्य दुकानदारों को भारी नुकसान होगा। उन्होंने यह भी मांग की है कि दस अक्टूबर के आंदोलन के दौरान याचिकाकर्ता और अन्य प्रभावित लोगों को जो नुकसान हुआ है, उसका आकलन किया जाए और जिम्मेदार लोगों से उन्हें मुआवजा दिलाया जाए। हाई कोर्ट ने इस मामले पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है।

गुरुग्राम में 1278 बिल्डिंगों को नोटिस, नियमों की अनदेखी पर फायर विभाग का ऐक्शन

गुरुग्राम। दिल्ली के एक होटल में हुए भीषण अग्निकांड के बाद अब गुरुग्राम में भी सुरक्षा मानकों को लेकर प्रशासन पूरी तरह सख्त हो गया है। दमकल विभाग ने नियमों की अनदेखी कर रही 1278 इमारतों को नोटिस जारी किया है। दमकल विभाग द्वारा पिछले एक साल के दौरान शहर में करवाए गए व्यापक सर्वे में एक चौकाने वाला खुलासा हुआ है। सर्वे के अनुसार, विभिन्न श्रेणियों की कुल 1278 इमारतें ऐसी पाई गई हैं जो बिना फायर एनओसी और आग बुझाने के पुख्ता उपकरणों के बिना ही संचालित की जा रही थीं। विभाग ने इन सभी लापरवाह भवनों के मालिकों को नोटिस जारी कर दिए हैं। दमकल विभाग की ओर से शहर के विभिन्न जेन में कराए गए इस विस्तृत सर्वे में व्यवसायिक और आवासीय दोनों तरह की हाई-रिस्क इमारतों को शामिल किया गया था। रडार पर आई 1278 इमारतों में मुख्य रूप से पेइंग गेट (पीपी) आवार और गेस्ट हाउस, होटल, मोटल, रेस्टोरेंट, पब

और बार, बहुमंजिला आवासीय व व्यावसायिक इमारतें, निजी अस्पताल और नर्सिंग होम शामिल हैं। जांच के दौरान यह बात सामने आई कि इन तमाम इमारतों में आग से बचाव के लिए जरूरी आधुनिक उपकरण जैसे स्प्रिंकलर सिस्टम, वाटर हाइड्रेंट, आपातकालीन निकास और दमकल एनओसी का पूरी तरह अभाव है। विभाग का कहना है कि बिना फायर एनओसी और सुरक्षा उपकरणों के इन इमारतों का संचालन सीधे तौर पर आम नागरिकों और यहां रहने वाले लोगों की जिंदगी के साथ बड़ा खिलवाड़ है। थोड़ी सी भी लापरवाही यहां बड़े घटना का सबब बन सकती है। बता दें कि, 3 जून को दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक निजी होटल में आग लग गई थी। इस घटना में 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद से जिला प्रशासन ने भी शहर में बिना फायर एनओसी और बिना आग बुझाने के उपकरण वाली भवनों का सर्वे करने के निर्देश दिए थे।

एसीपी विवेक भगत की शिकायत के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंची पत्रकार को झटका, हाई कोर्ट का तुरंत आदेश देने से इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने एसीपी विवेक भगत की शिकायत पर दिल्ली पुलिस द्वारा पत्रकारों रोजी और गजेन्द्र सिंह के खिलाफ दर्ज की गई एससी/एसटी एफआईआर में जांच पर रोक की मांग वाली याचिका पर तुरंत फैसला देने से इनकार कर दिया है। जस्टिस मिनी पुष्करणा ने कहा कि इस मामले की सुनवाई दशहरा की छुट्टियों के तुरंत बाद होगी। रोजी और सिंह की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट तनवीर अहमद मीर ने कोर्ट से अनुरोध किया कि पुलिस को इस मामले की जांच के संबंध में आगे कोई कदम उठाने से रोकने का आदेश दिया जाए। उन्होंने बताया कि रोजी ने एसीपी भगत के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने उनके (रोजी के) खिलाफ SC/ST एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया। जस्टिस मिनी पुष्कर्णा ने समय



की कमी का हवाला देते हुए कहा कि पुलिस का पक्ष सुने बिना कोई आदेश पारित नहीं किया जा सकता। उन्होंने विवेक भगत पर दशहरा अवकाश के बाद सुनवाई होगी। हाई कोर्ट ने 19 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक बंद रहेगा। इससे पहले, महिला पत्रकार ने एसीपी रोजी ने एसीपी भगत के खिलाफ यौन उत्पीड़न शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने उनके (रोजी के) खिलाफ SC/ST एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया। जस्टिस मिनी पुष्कर्णा ने समय

दिल्ली-एनसीआर

के तहत लागू निषेधाज्ञा का हवाला देते हुए कर्नाट प्लेस में मार्च की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। इस निषेधाज्ञा के तहत कर्नाट प्लेस और आसपास के इलाकों में लोगों के एकत्र होने पर रोक है। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के एक सीमित समूह को किसी वैकल्पिक स्थान पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा है। वहीं, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (NDMC) ने कहा है कि प्रशासनिक कारणों से शुक्रवार और शनिवार को सेंट्रल पार्क आम लोगों के लिए बंद रहेगा। पुलिस ने दीपके को दी गई नोटिस में कहा है कि सीपी में मार्च निकालने से 15 लाख लोगों रोजी-रोटी पर बुरा असर पड़ सकता है। दिल्ली पुलिस ने अभिजीत दीपके को दिए नोटिस में कर्नाट प्लेस (CP) में तिरंगा

यात्रा न निकालने के पीछे निम्नलिखित 9 मुख्य कारण बताए हैं और उन्हें इस पर अमल करने की ताकीद (सलाह) दी है 1. बिना अनुमति के सोशल मीडिया पर 16 तारीख को शाम 5 बजे कर्नाट प्लेस पहुंचने की अपील की गई, जो दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ है। 2. कर्नाट प्लेस एक व्यस्त सर्कुलर मार्केट है, जहाँ प्रवेश और निकास के रास्ते सीमित हैं। भीड़ जुटने पर पूरे इलाके में जाम लग सकता है, भगदड़ मच सकती है और आपात स्थिति में बाहर निकलना कठिन हो जाएगा। 3. त्योहारों के मौसम में शाम और वीकेंड पर ऐसा जमावड़ा यहाँ के 15 लाख से अधिक निर्भर व्यापारियों और उनके कर्मचारियों के रोजगार को प्रभावित करेगा। 4. CP से जुड़ने वाली मुख्य सड़कों पर रुकावट

रविवार 18 अक्टूबर 20263

आने से पूरी सेंट्रल दिल्ली का यातायात ठप हो सकता है। पुलिस ने हाई कोर्ट के अमित सैनी बनाम पुलिस कमिश्नर केस का हवाला देते हुए कहा कि ऐसे जमावड़ों से आम जनता को असुविधा नहीं होनी चाहिए। 5. CP के नीचे स्थित राजीव चौक मेट्रो स्टेशन ब्लू और येलो लाइन का सबसे व्यस्त जंक्शन है, जहाँ से रोजाना लगभग 2 लाख यात्री आवाजाही करते हैं, सीपी में भीड़ लगने से लाखों यात्रियों को तकलीफ हो सकती है। 6. दिल्ली पुलिस ने इसके साथ ही सुरक्षा खतरा के तरफ भी ध्यान दिलाया है और कहा है कि सीपी के निकट ही संसद भवन, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट और कई देशों के दूतावास हैं, जहाँ भीड़ के जाने पर सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा हो सकता है।

हमारा तो नारा ही यही; रिजीम चेंज की कोशिश के आरोप पर बोले वक

सांसद संजय सिंह, स्लोगन भी बताए

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली के कर्नाट प्लेस इलाके में स्थित सेंट्रल पार्क में शुक्रवार को लहरा दो तिरंगा मार्च का आह्वान किया था। इस आंदोलन को आम आदमी पार्टी ने भी अपना समर्थन दिया था। जिसके बाद पार्टी के राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ नेता संजय सिंह समेत पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता भी इस मार्च में शामिल हुए। इसी दौरान जब एक पत्रकार ने वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण के लिए रिजीम चेंज करने वाले बयान पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की प्रतिक्रिया का जिक्र किया, और इस बारे में संजय सिंह से उनकी प्रतिक्रिया के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि हां ये सबकुछ रिजीम चेंज के लिए ही तो हो रहा है। हमारे तो नारे भी रिजीम चेंज का समर्थन करने वाले हैं। दरअसल मीडिया कर्मी ने संजय सिंह को बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोल रहे हैं कि रिजीम चेंज की कोशिश हो रही है और ये एक तरह से देशद्रोह है। इसका जवाब देते हुए संजय सिंह ने कहा, तो ये क्या बर्छडे पार्टी थोड़ी हो रही है, ये सब रिजीम चेंज करने के लिए ही हो रहा है ना। तिरंगा मार्च में शामिल होने पहुंचे AAP सांसद ने कहा, हम कोई मोदीजी की बर्छडे पार्टी मनाने के लिए या किसी पार्टी के लिए थोड़ी इकट्ठा हुए हैं। बिल्कुल यह सबकुछ रिजीम चेंज करने के लिए ही हो रहा है। वोट चोरों को सत्ता से जाना चाहिए। इसके बाद एक नारे का जिक्र करते हुए संजय सिंह बोले, हमारा तो नारा ही यही है ना, वोट चोर गद्दी छोड़, अभी तो आपके सामने हमने यह नारा लगाया भी था। इसके आगे संजय सिंह ने एक अन्य नारे का जिक्र करते हुए कहा, इसके अलावा हम लोग नारा लगाते हैं, रोजी-रोटी दे ना सके जो, वो सरकार निकम्मी है, जो सरकार निकम्मी है, वो सरकार बदलनी चाहिए। तो क्या हम बांग्लादेशी हो गए, हम पाकिस्तानी हो गए। भाई ये सब रिजीम चेंज के लिए ही तो हो रहा है, वोट चोरों को सत्ता से जाना ही चाहिए। इससे पहले दिल्ली में गुरुवार को हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत भूषण ने कहा था कि दिल्ली समेत देशभर में सरकार के खिलाफ हो रहा आंदोलन रिजीम चेंज यानी सत्ता परिवर्तन के लिए हो रहा है और हम चाहते हैं कि इस तानाशाही सरकार को चले जाना चाहिए। जिसके बाद भाजपा ने इस मुद्दे को तुरंत लपकते हुए कॉकरोच पार्टी के नेतृत्व में हो रहे इस विरोध-प्रदर्शन को देश के खिलाफ बताना शुरू कर दिया। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी शुक्रवार को इस मुद्दे को उठाते हुए विपक्षी दलों पर SIAR के बहाने देश में अस्थिरता पैदा करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि रिजीम चेंज करना यानी तख्तापलट करना भी उसी साजिश का हिस्सा है। लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजनाथ सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा का सहारा लेने वाले बांग्लादेश मॉडल को अपनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का आंदोलन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार या एसआईआर के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह तो लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश के तहत हो रहा है।

बांग्लादेश के बाद उमर खालिद, नेहा बोरा ने अब क्या कह दिया वीडियो दिखा भड़की भाजपा

नई दिल्ली। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की प्रमुख नेहा बोरा के बांग्लादेश जाने बयान पर मंचे बवाल के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक नया वीडियो शेयर करके उन्हें मंच दे रही कांग्रेस को निशाने पर लिया है। भाजपा का दावा है कि यह वीडियो गुरुवार 15 अक्टूबर का ही है जिस दिन उनका बांग्लादेश के जेन जी अंदोलन वाला बयान सामने आया। नए वीडियो में नेहा बोरा को उमर खालिद की बात करते हुए दिखाया गया है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी की ओर से शेयर किए गया वीडियो 40 सेकंड का है। नेहा जेनरयू और उमर खालिद का जिक्र करते हुए कुछ स्टूडेंट्स से बात करती दिख रही है। वह इस वीडियो में कहती हैं, ‘आप

यह भूल गए कि जेनरयू से आते हैं उमर खालिद। वह उमर खालिद जिसको आपने जेल में छह साल से ज्यादा बंद रखा, लेकिन उस उमर खालिद ने आज भी इस जस्टिस की लड़ाई का दमन नहीं छोड़ा। हम उस उमर खालिद को देखकर एक्टिविज्म को यहां पर सीखते हैं। ये जेनरयू उस उमर खालिद का जेनरयू है। आप भूल गए कि 2016 में आपको शटडाउन जेनरयू का कैंपेन क्यों चलाना पड़ा। आपको यह कैंपेन इस्तीफा शुरू करना पड़ा था क्योंकि आपकी तमान पॉलिटिकल हिंसा, नैरेटिव्स और अधिनायक्त्वाद के खिलाफ जेनरयू में बैठे स्टूडेंट्स ने हमेशा से बैरिकेड्स खड़े किए हैं और आज भी खड़े हैं। प्रदीप भंडारी ने नेहा बोरा का वीडियो दिखाते

हुए स्टूडेंट लीडर के साथ कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को भी निशाने पर लिया जो हाल के दिनों इन दिनों आइसा प्रमुख को अपने साथ आंदोलन में आगे रखते हैं। भंडारी ने कहा, नेहा बोरा, राहुल गांधी की पोस्टर गर्ल ने 15 अक्टूबर को जेनरयू में कहा कि वह उमर खालिद से एक्टिविज्म सीखती हैं। उमर खालिद यूरोपीय का आरोपी है। उमर खालिद ने कहा कि ‘भारत ने अवैध तरीके से जम्मू-कश्मीर पर कब्जा किया।’ कांग्रेस की पोस्टर गर्ल ने बांग्लादेश से प्रेरणा लेने के बाद उमर खालिद को आर्देश बना रही हैं। कांग्रेस खालिद गांधी के नेतृत्व में रेजीम चेंज जारी है। कांग्रेस अराजकता चाहती है। कांग्रेस लोकतंत्र के लिए खतरा है।

तिरंगा मार्च में सिर्फ कॉकरोच नहीं, सरकार समर्थक भी पहुंचे; क्या हुआ जब आगने-सामने आए नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार की शाम को दिल्ली के कर्नाट प्लेस पर स्थित सेंट्रल पार्क में लहरा दो तिरंगा मार्च का आह्वान किया था, हालांकि मार्च के शुरू होने से थोड़ी देर पहले पुलिस ने अभिजीत दीपके को हिरासत में ले लिया। वहीं AISA अध्यक्ष नेहा बोरा को भी सेंट्रल पार्क पहुंचने से पहले हिरासत में ले लिया गया। इसके अलावा पुलिस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मंडी हाउस के पास प्रदर्शन कर रहे AISA समेत अन्य वाम संगठनों के कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में ले लिया। पुलिस ने इलाके में बीएनएस की धारा 163 लगे होने का हवाला देते हुए इन लोगों को हिरासत में लिया।

उत्तर पश्चिम रेलवे
 प्रथम शुद्ध पत्र-निविदा संख्या SNT-PROJ-JU-01/2026-27
उक्त निविदा में निम्न संशोधन प्रस्तावित है Date of bidding : 16.10.2026, Closing Date/Time : 30.10.2026 (15.30 Hrs.), 1 Added Pre Bid Query Reply document in Tender. निविदा पत्र की बाकि नियम एवं शर्तों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। उप मुख्य सिम व दूर संचार अभि./परिचोजना 1502-00/26 जोधपुर
पूर्वोत्तर रेलवे
 ई-निविदा सूचना
निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबंधक/ विद्युत/ पूर्वांचल रेलवे/ इज्जतनगर द्वारा आमन्त्रित की जाती है :- क्र.सं. (01), निविदा सूचना सं. : इज्जत-इलेक्ट-ओ.टी.-30 -2026 दिनांक : 12.10.2026, कार्य का नाम : इज्जतनगर मण्डल के अन्तर्गत छतरपुर में विश्वस्तरीय सुविधाओं वाला गुड्स-शेड के विकास/उन्नयन, विभिन्न स्टेशनों (KGM, KPV, LKU, HDW, RUPC, BC, KJN, FBD, PBE & KSJ) पर मॉड्यूलर सीवेज ट्रीटमेंट प्लाण्ट का प्रावधान; पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रु. में : 1,36,25,254.30, घरोहर राशि रु.में: 2,72,500.00, निविदा प्रपत्र का प्रभावण: पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रु. में : 1,36,25,254.30, घरोहर राशि रु.में: 2,72,500.00, निविदा प्रपत्र का प्रभावण: पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रु. में : 1,36,25,254.30, घरोहर राशि रु.में: 2,72,500.00, निविदा प्रपत्र का प्रभावण: पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रु. में : 1,36,25,254.30, घरोहर राशि रु.में: 2,72,500.00, निविदा प्रपत्र का प्रभावण: पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रु. में : 1,36,25,254.30, घरोहर राशि रु.में: 2,72,500.00, निविदा प्रपत्र का प्रभावण: पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रु. में : 1,36,25,254.30, घरोहर राशि रु.में: 2,72,500.00, निविदा प्रपत्र का प्रभावण: पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रु. में : 1,36,25,254.30, घरोहर राशि रु.में: 2,72,500.00, निविदा प्रपत्र का प्रभावण: पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रु. में : 1,36,25,254.30, घरोहर राशि रु.में: 2,72,500.00, निविदा प्रपत्र का प्रभावण: पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रु. में : 1,36,25,254.30, घरोहर राशि रु.में: 2,72,500.00, निविदा प्रपत्र का प्रभावण: पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रु. में : 1,36,25,254.30, घरोहर राशि रु.में: 2,72,500.00, निविदा प्रपत्र का प्रभावण: पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रु. में : 1,36,25,254.30, घरोहर राशि रु.में: 2,72,500.00, निविदा प्रपत्र का प्रभावण: पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रु. में : 1,36,25,254.30, घरोहर राशि रु.में: 2,72,500.00, निविदा प्रपत्र का प्रभावण: पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रु. में : 1,36,25,254.30, घरोहर राशि रु.में: 2,72,500.00, निविदा प्रपत्र का प्रभावण: पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रु. में : 1,36,25,254.30, घरोहर राशि रु.में: 2,72,500.00, निविदा प्रपत्र का प्रभावण: पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रु. में : 1,36,25,254.30, घरोहर राशि रु.में: 2,72,500.00, निविदा प्रपत्र का प्रभावण: पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रु. में : 1,36,25,254.30, घरोहर राशि रु.में: 2,72,500.00, निविदा प्रपत्र का प्रभावण: पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रु. में : 1,36,25,254.30, घरोहर राशि रु.में: 2,72,500.00, निविदा प्रपत्र का प्रभावण: पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रु. में : 1,36,25,254.30, घरोहर राशि रु.में: 2,72,500.00, निविदा प्रपत्र का प्रभावण: पीलीभीत- मेलानाी सेक्शन के अन्तर्गत ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III टाइप-III (10मग) और टाइप-III (05मग) व्वाटर का निर्माण एवं ऑपरेशन स्टफ के लिए टाइप-III (10मग), टाइप-III (03मग) और टाइप-IV (02मग) व्वाटर का निर्माण से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमान



एक नज़र

कानपुर में कच्चा बादाम बजते ही भड़क गई अंजलि अरोड़ा, डांडिया नाइट मंच छोड़कर वापस लौटी

कानपुर। कानपुर के मोतीझील स्थित लाजपत भवन में गुरुवार रात आयोजित नगाड़ा नाइट डांडिया में उस समय माहौल बदल गया, जब सोशल मीडिया स्टार अंजलि अरोड़ा कुछ मिनट की प्रस्तुति के बाद नाराज होकर मंच से चली गई। करीब 12 मिनट तक परफॉर्म करने वाली अंजलि ने दर्शकों की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और आयोजन की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए। डीजे पर उनका चर्चित गाना ‘कच्चा बादाम’ बजने के बाद उन्होंने आयोजकों को मंच पर बुलाने की मांग भी की। 15 अक्तूबर को आयोजित कार्यक्रम में अंजलि को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। कार्यक्रम शाम करीब 7-30 बजे शुरू हुआ, जबकि अंजलि रात लगभग 9-52 बजे मंच पर पहुंचीं। उन्होंने शुरुआत में कानपुर के लोगों का अभिवादन किया और ‘नगाड़ा संग ढोल बाजे’ गाने पर डांस किया। प्रस्तुति के दौरान अंजलि ने भीड़ की ओर इशारा करते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि दर्शकों का ध्यान नहीं रखा जा रहा और भीड़ में किसी को चोट लगी है। इसके बाद डीजे पर ‘कच्चा बादाम’ बजा तो उन्होंने डांस रोक दिया और आयोजन प्रबंधन पर नाराजगी जताई। अंजलि ने माइक पर कहा कि इस तरह की व्यवस्थाओं के बीच कानपुर में कोई कलाकार नहीं आएगा। उन्होंने आयोजकों को बुलाने की मांग करते हुए सवाल किया कि क्या कलाकार का सम्मान करना नहीं आता। उन्होंने दर्शकों से माफी भी मांगी और कहा कि लोग घंटों से गर्मी में इंतजार कर रहे हैं, ऐसे में बेहतर इंतजार होने चाहिए थे। कार्यक्रम से जुड़ी जानकारी के मुताबिक, अंजलि ने मोमेंटो देने से भी इनकार कर दिया और कुछ ही देर बाद मंच से चली गई। उनके अचानक जाने से दर्शकों में निराशा रही। हालांकि, आयोजन की व्यवस्थाओं और अंजलि की शिकायतों पर आयोजकों का पक्ष सामने नहीं आया है। कानपुर डांडिया नाइट पहुंची अंजलि आरोड़ा का नाराजगी भरा वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। 15 अक्टूबर को मोती झील स्थित लाजपत भवन में डांडिया नाइट का आयोजन किया गया था। इस आयोजन में कच्चा बादाम गाने से फेमस हुई अंजलि अरोड़ा को बुलाया गया था। अंजलि को देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे। लंबे इंतजार के बाद अंजलि मंच पर पहुंची तो प्रशंसकों ने राहत की सांस ली। प्रोग्राम के दौरान वह तीन बार नाराज हुईं। डीजे पर कच्चा बादाम गाना बजने से गुस्साई अंजलि ने कहा, आर्टिस्ट की रिस्पेक्ट करनी नहीं आती वया। बुलाइए ऑर्गनाइजर को। कहा है मैंनेजमेंट।

2027 विधानसभा चुनाव में जेन-जी योगी सरकार के खिलाफ या मिलेगा साथ, इस सर्वे में हुआ साफ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अगले साल यानी 2027 में होने वाला है। पिछले दिनों से केंद्र सरकार के खिलाफ जेन जी की नाराजगी सामने आई थी। इसके बाद सवाल उठ रहा है कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में जेन जी का रुख योगी सरकार को लेकर क्या रहेगा। न्यूज 18 के यूपी मेगा सर्वे में इस सवाल से पर्दा उठ गया है। इस सर्वे में यह स्पष्ट हो गया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में युवाओं का रुझान किस दल की तरफ रहने वाला है। आइए जानते हैं सर्वे में क्या आया सामने? इस सर्वे में सार्वजनिक चर्चा में रहे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जनता की राय को भी पता लगाया गया, जिनमें हाल के जेन–जी छत्र आंदोलनों और राम मंदिर के लिए दान के मुद्दे शामिल हैं। सर्वे में आधे से ज्यादा यानी 56 फीसदी जवाब देने वालों ने कहा कि जेन जी आगामी चुनाव में अहम भूमिका निभाएगा। वहीं, 16.2% ने ऐसा महसूस नहीं किया। न्यूज 18 ने यह मेगा यूपी सर्वे पीवैल्यू एनालिटिक्स के साथ मिलकर किया है। यह आंकड़ा भाजपा/एनडीए समर्थकों में ज्यादा है, जो बेहतर पढ़े–लिखे हैं और इसलिए संभवतः ज्यादा जानकारी भी हैं। कुल मिलाकर, 14.2% उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हें जेन–जी के बारे में जानकारी नहीं है। यह संख्या सपा–कांग्रेस समर्थकों और बसपा समर्थकों में अधिक है। सर्वे में शामिल 66.6% जवाब देने वालों ने कहा कि वे बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के लिए मतदान करेंगे। वहीं, 26.4% ने समाजवादी पार्टी–कांग्रेस गठबंधन का समर्थन किया और 5.4% बहुजन समाज पार्टी (BSP) के लिए समर्थन दिखाया। इसके अलावा, 66.6% लोगों का मानना था कि बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए अगले सरकार को बनाने की संभावना रखती है, जबकि 26.5% ने एसपी–कांग्रेस के पक्ष में वोट दिया। इसके अलावा, 65.2% मानते हैं कि उत्तर प्रदेश में बीजेपी को तीसरी बार सरकार बनाने का मौका दिया जाना चाहिए। जहां 77.1% लोगों को योगी आदित्यनाथ सरकार के प्रदर्शन से संतोष है।

कानपुर-लखनऊ हाईवे पर चलती बस में लगी आग, 60 बच्चे और तीन शिक्षक सुरक्षित निकाले गए

उन्नाव। उन्नाव में शुक्रवार को बड़ा हादसा बच गया। लखनऊ से कानपुर जा रही स्कूली बच्चों से भरी एसी बस हाईवे पर आग का गोला बन गई। चीख–पुकार के बीच 60 बच्चों और तीन शिक्षकों को बस से बाहर निकाला गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक़त कर 45 मिनट में आग पर काबू पाया। इस दौरान कानपुर आने वाली लेन एक घंटे तक बंद रही। कानपुर के कल्याणपुर स्थित गुरुनानक मॉडर्न स्कूल के 60 बच्चे लखनऊ स्थित आनंदी वाटर पार्क घूमने गए थे। उनके साथ शिक्षक आदेश पटेल, विवेक अवस्थी और सत्येंद्र कटियार भी थे। यहां से देर शाम एसी बस से सभी कानपुर लौट रहे थे। उन्नाव के गदनखेड़ा तक बस पहुंची थी तभी टायरों से चिंगारी निकलने लगी। हाईवे पर महेश नामक शख्स ने आवाज लगाते हुए बस

रोकने का इशारा किया। बस में तेज म्यूजिक बजने के चलते न तो ड्राइवर गुला सिंह निवासी बिंदकी और न ही बच्चों और शिक्षकों को आवाज सुनाई दी। बस तेज रफ़तार से आगे बढ़ती गई। इस बीच पुलिस और बाइक सवार लोगों ने पीछा किया। करीब दो किलोमीटर तक पीछाकर बाइक सवार बस को ओवरटेक कर गदनखेड़ा चौराहे के आगे रुकवा पाए, तब ड्राइवर को आग की जानकारी हो पाई। इस बीच आग बस की छत तक पहुंच चुकी थी। इसकी जानकारी होते ही चीख–पुकार मच गई। आनन–फानन में बच्चों समेत सभी को पुलिस और लोगों ने बाहर निकाला। दमकल की दो गाड़ियां 10 हजार लीटर पानी डालकर आग बुझा सकीं। बस हाईवे पर हरदोई ब्रिज के पास पहुंची थी तभी पीछे पहियों से चिंगारी निकलने

लगी। तेज हवा के बीच चिंगारी ने भीषण आग का रूप ले लिया और विकराल आग ने पूरी बस को आगोश में ले लिया। पीछे रहे वाहन आग देख जहां के तहां रुक गए। बाइक सवार चिल्लाते हुए बस को रोकने का इशारा करते रहे पर म्यूजिक की धुन में रहे ड्राइवर ने साइड मिरर भी नहीं देखा।

बाइक सवार ओवरटेक कर रुकवाते नहीं तो बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता था। बस में आग लगने की घटना के बाद पुलिस ने एहतियातन कानपुर जाने वाली लेन पर यातायात रोक दिया ताकि आग बुझाने के दौरान कोई अन्य वाहन चपेट में न आए। आग पूरी तरह बुझाने के बाद रात आठ बजे वाहनों को आगे जाने दिया गया। बच्चों के बस से उतरते ही बस का पिछला टायर तेज धमाके के साथ

फटा। इससे भगदड़ जैसा माहौल बन गया। इस संबंध में सीएफओ अनूप सिंह ने बताया, प्राथमिक जांच में सामने आया है कि बस के पिछले टायरों के ब्रेक शू पुराने थे। व्यस्त ट्रैफिक के बीच ब्रेक का प्रयोग करने के दौरान घर्षण से टायरों में आग लगी। तेज आवाज में म्यूजिक बजने के चलते ड्राइवर ने राहगीरों की चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया और हवा के साथ चिंगारी से भीषण आग लग गई। इंसपेक्टर सद कोतवाली चंद्रकांत मिश्र ने कहा, राहगीरों और स्थानीय लोगों की सजगता से बड़ा हादसा बच गया। सभी बच्चे, शिक्षक और ड्राइवर सही सलामत हैं। बस को कब्जे में लिया गया है। अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन को जानकारी देने के साथ बच्चों, शिक्षकों को दूसरे वाहन से कानपुर भेजा गया।

यूपी में 2027 में किसकी बनेगी सरकार, आ गया सर्वे; योगी आदित्यनाथ-अखिलेश यादव में कितनी टक्कर

रामपुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले ताजा सर्वे सामने आया है। न्यूज18 यूपी मेगा सर्वे के मुताबिक, 66.6 फीसदी लोग बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को वोट देने के पक्ष में हैं, जबकि 26.4 फीसदी लोगों ने समाजवादी पार्टी–कांग्रेस गठबंधन का समर्थन किया। बहुजन समाज पार्टी के पक्ष में 5.4 फीसदी लोगों ने राय दी। सर्वे में शामिल 77.1 फीसदी लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार के कामकाज पर संतुष्टि जताई, जबकि 13.5 फीसदी लोग इससे असंतुष्ट हैं। मुख्यमंत्री पद के लिए भी योगी आदित्यनाथ पहली पसंद बने हुए हैं। उन्हें 66.2 फीसदी लोगों ने समर्थन दिया, जबकि सपा प्रमुख अखिलेश यादव को 24.4 फीसदी लोगों ने अगला मुख्यमंत्री बनाने की इच्छा जताई। सर्वे पी–वैल्यू एनालिटिक्स के सहयोग से किया गया। इसमें प्रदेश के सभी 75 जिलों के 30,925 लोगों की राय ली गई। सर्वे के अनुसार, 66.6 फीसदी लोगों का मानना है कि अगले विधानसभा चुनाव के बाद बीजेपी के नेतृत्व वाले ह्द्व की सरकार बनेगी। 26.5 फीसदी लोगों ने सपा–कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनने की संभावना जताई।

इसके अलावा, 65.2 फीसदी लोगों का मानना है कि बीजेपी को उत्तर प्रदेश में तीसरा कार्यकाल मिलना चाहिए। सरकार के कामकाज से जुड़े सात मुद्दों पर लोगों की राय ली गई। इनमें कानून–व्यवस्था, बुनियादी ढांचा, सरकारी योजनाओं का लाभ, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, भ्रष्टाचार और रोजगार शामिल थे। कानून–व्यवस्था के मामले में सबसे



ज्यादा 74 फीसदी लोग संतुष्ट मिले। बुनियादी ढांचे से 68.6 फीसदी और सरकारी योजनाओं के लाभ से 66.3 फीसदी लोग संतुष्ट हैं। कानून–व्यवस्था में चुनाव में सबसे अहम मुद्दा भी है। 33.4 फीसदी लोगों ने इसे अपनी पहली

प्राथमिकता बताया। बीजेपी और एनडीए के मौजूदा समर्थकों में 89.6 फीसदी लोग कानून–व्यवस्था से संतुष्ट हैं। सपा–कांग्रेस और बसपा समर्थकों में यह आंकड़ा करीब 43 फीसदी है। सर्वे में रोजगार सरकार के कामकाज का

चुनाव से पहले अखिलेश का बढ़ता कुनबा, भाजपा पूर्व सांसद राजपाल सैनी समेत कई सपा में शामिल

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी का कुनबा बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को दूसरे दिन भी समाजवादी पार्टी में कई दलों के नेता शामिल हुए। भाजपा नेता पूर्व सांसद श्यामाचरण गुप्ता के पुत्र विदुष अग्रहरि, क्षत्रिय महासभा बरेली मंडल के उपाध्यक्ष, बदायूं निवासी भाजपा नेता रवि प्रताप सिंह समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। समावजादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी में शामिल होने पर सभी नेताओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हालांकि अभी लोगों के शामिल होने की शुरुआत है। अभी कई विधायकों का आना भी बाकी है। चुटकी लेते हुए कहा कि अभी वे तोलमोल में लगे हैं, जब लोगेा सब ठीक है, तब आ जाएंगे। उन्होंने वादा किया कि टिकट बंटवारे में जेनजी को प्रतिनिधित्व और नौजवानों को मौका देंगे। जोड़ने के साथ मनाने का काम करेंगे। भाजपा प्रेश कार्यसमिति के सदस्य शामली के हरवीर मलिक, पूर्व मंत्री रियाज अहमद के पुत्र और बसपा से पीलीभीत विधानसभा से प्रत्याशी रहे शाने अली, बसपा से गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी रहे ठाकुर नंद किशोर पुण्डीर, पश्चिमी यूपी में आजाद समाज पार्टी के प्रभारी कमल गौतम, शामली के निषाद पार्टी के शोकेंद्र आचार्य, राष्ट्रीय लोकदल के शामली से संजीव प्रधान, राजेंद्र मलिक, बिजेंद्र मलिक, शुभम मलिक शामिल हुए। राजेंद्र सिंह शामली, पूर्व प्रत्याशी खतौली विधानसभा सिवान सैनी ने भी सदस्यता ग्रहण की। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि लगातार कई दिनों से प्रदेश के विभिन्न जिलों से प्रभावशाली लोग शामिल हो रहे हैं। समाजवादी पार्टी का कारवां तेजी से आगे बढ़ रहा है। 2027 में प्रदेश की जनता, किसान, गरीब, नौजवान अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनाएंगे। उन्होंने पूर्व सांसद राजपाल सैनी समेत समाजवादी पार्टी में शामिल हुए सभी नेताओं का स्वागत किया।

भ्रष्टाचार पर योगी के मंत्री का तगड़ा ऐवशन, एक्सईएन को किया सस्पेंड, जेई की नौकरी गई

कन्नौज। विकास परियोजनाओं में भ्रष्टाचार और अनियमितता बरतने वाले अफसरों पर योगी सरकार के मंत्री असीम अरुण ने सख्त ऐवशन लिया है। कन्नौज में साढ़े तीन करोड़ के टेंडर आवंटन में गड़बड़ी को लेकर मंत्री असीम अरुण के निर्देश पर सरकार ने अधिशासी अभियंता को निर्लंबित कर दिया, वहीं रिश्तत मांगने के आरोप में आउटसोर्सिंग पर तैनात अवर अभियंता को बर्खास्त कर दिया। एकीकृत विकास योजना के तहत जिले में साढ़े तीन करोड़ के टेंडर का आवंटन हुआ। इसमें एक ही ठेकेदार पर मेहरबानी दिखाई गई। इस काम में भारी अनियमितता भी सामने आई। ?कुछ ठेकेदारों ने टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाया था। यूपी सिडको के एमडी संजीव कुमार ने जांच की तो अफसरों–ठेकेदार की साटगाट का खुलासा हुआ। टेंडर आवंटन में नियम–कायदे को ताक पर रख दिया गया। स्वीकृत बजट और टेंडर

राशि में नाममात्र का अंतर रखकर बार–बार एक ही ठेकेदार को काम आवंटित किया जाता रहा। इतना ही नहीं, टेंडर की शर्तें इस तरह से तय की गईं जिससे ठेकेदार को लाभ पहुंचे। भ्रष्टाचार का खुलासा होने पर समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण के निर्देश पर सिडको के अधिशासी अभियंता संजय गंगवार को सस्पेंड कर दिया गया। वहीं, घूस कमल बाबू को बर्खास्त कर दिया गया। असीम अरुण ने बताया कि यूपी सिडको के आउटसोर्सिंग जेई पर रिश्तत लेने के आरोप की विभागीय जांच कराई गई थी, जिसमें आरोप सही पाए गए हैं। उसे सेवा से हटा दिया गया है। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज होगी। वहीं, एक ही कंपनी को लगातार टेंडर देने और दूसरी कंपनियों को बिडिंग में शामिल होने से रोकने के आरोप में एक्सईएन को भी निर्लंबित किया गया है।

जेल में बंद आजम खां को कोर्ट से झटका, शत्रु संपत्ति के तीनों मुकदमों की अलग-अलग होगी सुनवाई

रामपुर। रामपुर जिला जेल में बंद आजम खां को एमपी–एमएलए सेशन कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने आजम खां की रिवीजन याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने आजम खां की शत्रु संपत्ति के तीन मुकदमों को एक करने की अर्जी पर एमपी–एमएलए सेशन कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए लोअर कोर्ट का फैसला बरकरार रखा। यानि तीनों मामलों के ज्वाइंट ट्रायल के बजाय अलग–अलग जांच सुनवाई होगी। कलक्ट्रेट के रिकार्ड में रूम के सहायक अभिलेखपाल दर्ज होगी। वहीं, एक ही कंपनी को लगातार टेंडर देने और दूसरी कंपनियों को बिडिंग में केस दर्ज कराया गया था। इसमें पहले लखनऊ के पीरपुर हाउस

निवासी सैयद आफाक अहमद और अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट हुई थी। यह शत्रु संपत्ति आजम खां के जौहर विवि के आसपास थी, जो इमामुद्दीन कुरेशी पुत्र बदरुद्दीन कुरेशी के नाम दर्ज थी। इमामुद्दीन कुरेशी विभाजन के समय देश छोड़कर पाकिस्तान चले गए थे। वर्ष 2006 में यह संपत्ति शत्रु संपत्ति के रूप में राजस्व अभिलेखों में दर्ज कर ली गई थी। भूमि के रिकार्ड की जांच करने पर पता चला था कि राजस्व विभाग के रिकार्ड में फर्जीवाड़ा कर शत्रु संपत्ति को खुर्दबुर्द करने के लिए आफाक अहमद का नाम गलत तरीके से राजस्व रिकार्ड में अंकित किया गया था। रिकार्ड के पन्ने फटे हुए

मिले थे। इसमें आजम खां, उनकी पत्नी पूर्व सांसद डा. तजीन फात्मा और उनके बेटे अब्दुल्ला समेत जौहर ट्रस्ट के अन्य सदस्य आरोपित बनाए गए। ट्रस्ट में अधिकतर सदस्य आजम खां के परिवार के हैं। इस मुकदमे में सेवानिवृत्त कलक्ट्रेट कर्मचारी भगवंत भी आरोपी हैं, जो सरकारी गवाह बन चुके हैं। उनके बयान के आधार पर पुलिस ने मुकदमे में अग्रिम विवेचना की थी, जिसके बाद आजम खां पर मुकदमे में आइपीसी की तीन धाराएं 467, 471 और 201 बढ़ाते हुए पूरक आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया था। इसके अलावा शत्रु संपत्ति के दो मुकदमे वर्ष 2019 में दर्ज हुए थे,

यूपी पुलिस ने महिला अपराध के 12 मामलों में दिलाई

तगड़ी सजा, पीड़िताओं को 65 लाख की मदद भी

हरदोई। यूपी पुलिस का अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई ही नहीं बल्कि समाज को पीड़ितों की मदद भी कर रही है। मिशन शक्ति–6 के तहत लखनऊ जोन में पुलिस ने विभिन्न जिलों के 12 मामलों में आरोपियों को उम्र कैद से लेकर 20 वर्ष तक की तगड़ी सजा दिलाई। लखीमपुर खीरी जिले में 21 पीड़िताओं को सामाजिक सुरक्षा के तहत 65 लाख की वित्तीय मदद भी दिलाई। निराश्रित विधवा महिला को समाज कल्याण में पैरवी कर विधवा पेंशन दिलाने में मदद की। अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ जोन प्रवीण कुमार के मुताबिक हरदोई के अंतरीली थाने में दर्ज दलित एक्ट तथा पॉक्सो के मुकदमे में पुलिस ने प्रभावी पैरवी कर दोषी को उम्र कैद की सजा दिलाई। कोर्ट ने अभियोजन की पैरवी के चलते दोषी पर 70 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया। लखीमपुर खीरी के ईशानगर थाने के दुराचार एवं पॉक्सो के मुकदमे में दोषी को 20 वर्ष की कैद व अर्थदंड की सजा हुई। प्रभावी पैरवी, वैज्ञानिक आधारित विवेचना के आधार पर रायबरेली के हरचंदपुर के ऐसे ही एक मुकदमे में दोषी को उम्रकैद व 1.5 लाख की सजा सुनाई गई। सीतापुर के मानपुर थाने में दर्ज पॉक्सो के मुकदमे में दोषी को 20 वर्ष के सश्रम कैद की सजा सुनाई गई। उन्नाव के डीह में हमला करने तथा अयोध्या के इनायतनगर थाने में हत्या और साक्ष्य मिटाने के दोषी को कोर्ट से उम्रकैद व जुर्माने की सजा हुई। सुल्तानपुर के बकदीराय तथा कूरभार थाने में हत्या तथा गैर इरादतन हत्या के दोषियों को भी कोर्ट के आरावाण की सजा हुई। बाराबंकी के बहदुर में दुष्कर्म के मुकदमे में दोषी को 20 वर्ष की कैद तथा अमेटी के मुसाफिरखाना थाने में दर्ज पॉक्सो एक्ट के मुकदमे में दोषी को 20 वर्ष के कठोर कारावास तथा जुर्माने से दंडित किया गया।



अध्यापक थे। 14 मई 2015 को सेवाकाल में उनकी मृत्यु हो गई। मनीषा ने 17 मई 2016 को अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था। विभाग ने सिर से विचार करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने आठ सप्ताह के भीतर कारण सहित नया आदेश पारित करने को कहा है। मनीषा के पिता धर्मवीर सिंह प्राथमिक विद्यालय में सहायक

की। इससे पहले भी कोर्ट ने 10 मई 2024 को उनका दावा नए सिरे से देखने का निर्देश दिया था। इसके बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने फिर उनका दावा खारिज कर दिया। इस आदेश को मनीषा ने दोबारा चुनौती दी। हाईकोर्ट ने कहा कि विमला श्रीवास्तव बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामले में हाईकोर्ट की खंडपीठ पहले ही नियमों से



अपडे

रजनीकांत की 'जेलर 2' ने पहले दिन 125 करोड़ कमाए



साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की एक्शन-ड्रामा फिल्म 'जेलर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड ब्रेकिंग शुरुआत की है। नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने 15 अक्टूबर को रिलीज के पहले दिन भारत में 59.70 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया है।

ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने देश भर में 16,599 शो से 70.25 करोड़ रुपए का डोमेस्टिक ग्राँस और 55 करोड़ रुपए का ओवरसीज ग्राँस कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म का पहले दिन का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 125.25 करोड़ रुपए पहुंच गया है।

‘धुरंधर 2’ और ‘एनिमल’ को पीछे छोड़ा

विदेशों में कमाई के मामले में 'जेलर 2' ने इस साल जनवरी में रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर 2' का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 'धुरंधर 2' ने पहले दिन ओवरसीज में 52 करोड़ रुपए का ग्राँस कलेक्शन

110 शो में 35 लाख रुपए का नेट कलेक्शन हुआ। इन चारों भाषाओं को मिलाकर भारत में कुल नेट कमाई 59.70 करोड़ रुपए रही।



रणबीर कपूर ने कन्नड़ में की बात, फिर मांगी माफी

बेंगलुरु में नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'रामायण' के दूसरे ट्रेलर का लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम रणबीर कपूर ने 'जय श्री राम' के नारे से अपना भाषण शुरू किया और कन्नड़ भाषा में बोलकर वहां मौजूद लोगों का सम्मान किया।

वहीं रणबीर ने साउथ सुपरस्टार यश को 'यश बॉस' कहकर संबोधित किया। इवेंट में रणबीर कपूर, यश, साई पल्लवी, रवि दुबे, रकुल प्रीत सिंह और निर्देशक नितेश तिवारी मौजूद रहे।

रणबीर ने कन्नड़ में की बात, कम सीखने पर मांगी माफी: इवेंट में जब रणबीर कपूर स्टेज पर पहुंचे तो उन्होंने 'जय श्री राम' बोलकर अपने भाषण की शुरुआत की फिर कन्नड़ भाषा में बोलना शुरू किया। थोड़ी कन्नड़ बोलने के बाद उन्होंने मुस्कराते हुए जनता से माफी भी

मांगी। रणबीर ने अपने अंदाज में कहा कि इस बार वे इतनी ही भाषा सीखकर आ पाए हैं और अगली बार 'यश बॉस' से थोड़ी ज्यादा कन्नड़ सीखकर आएंगे।

यश ने फैंस से एकजुट होने के लिए कहा

अपने संबोधन के दौरान अभिनेता यश ने लोगों से आपसी भेदभाव भूलकर एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर हम 'बांटो और राज करो' की तरह

आपस में ही लड़ते रहे, तो दुनिया का मुकाबला कभी नहीं कर पाएंगे। यश ने कन्नड़भाषियों और पूरे दक्षिण भारत के दर्शकों से 'रामायण' फिल्म का समर्थन करने का आग्रह करते हुए कहा कि जब नीयत सही हो, तो सभी को साथ खड़े होना चाहिए। भारतीय संस्कृति में भगवान राम के महत्व पर बात करते हुए उन्होंने लोगों से इस पौराणिक गाथा को बड़े पढ़ें पर देखने का आग्रह किया।

हेमा मालिनी@78



आज से 78 साल पहले तमिलनाडु के अम्मानकुडी में जया लक्ष्मी प्रसव के आखिरी चरण में थीं। दो बेटे पहले से थे, तो तीसरे बच्चे के जन्म से पहले ही उन्होंने पति वी.एस.आर.चक्रवर्ती से कहा- 'देखना, बेटी ही होगी। मैं उसका नाम हेमा मालिनी रखूंगी, जो बड़ी होकर क्लासिकल डांसर बनेगी।'

कमरे में दुर्गा, सरस्वती के बड़े-बड़े पोस्टर लगाए गए।

जया लक्ष्मी की कही बात सच साबित हुई, अस्पताल में किलकारी गुंजी, बेटी हुई थी। नाम रखा गया हेमा मालिनी, जिसे आज पूरा देश डीम गर्ल के नाम से भी जानता है।

मां के फैसले के अनुसार, हेमा मालिनी पहले क्लासिकल डांसर बनीं और फिर हीरोइन, लेकिन यही स्टारडम वजह रहा कि उन्होंने अपने पिता को खो दिया। वजह रही एक पाकिस्तानी फैन का घर में घुसना और फिर किचन नाइफ से दहशत फैलाना।

हेमा मालिनी ने होश सभाला ही था कि मां ने उनका दाखिला क्लासिकल डांसिंग में करवा दिया। खेल-कूद की कोई गुंजाइश ही नहीं थी। स्कूल से लौटते ही हेमा कभी डांस क्लास, तो कभी सिंगिंग क्लास जातीं। कोई टीचर सिखाने में कोताही बरतता, तो मां तुरंत क्लासेस बदल देतीं।

कुछ सालों बाद परिवार दिल्ली आकर बसा। क्लासिकल डांस की ट्रेनिंग यहां भी जारी रही। हर आम बच्चे की तरह हेमा भी दिनभर खेलना चाहती थीं, लेकिन मां ने कुछ अलग सोच रखा था।

वो हेमा के बालों में तेल डालकर चोटी बनातीं, बालों में फूल लगातीं, आंखों में काजल। टिपिकल मद्रासी लड़की की तरह घाघरा चोली पहनातीं। मां उन्हें सही ढंग से कपड़े पहनना और हाव-भाव की सीख देतीं।

जब इस तरह वो कभी दिल्ली की सड़कों पर निकलतीं, तो आसपास से गुजरने वाले लोग उनका मजाक उड़ाते। हेमा इससे नाराज होतीं, तो मां कहतीं - 'वह तुम्हें

हनी सिंह को साइबर सेल से राहत नहीं



रैपर और सिंगर यो यो हनी सिंह की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। महाराष्ट्र साइबर सेल ने कॉन्सर्ट में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में पूछताछ के लिए 16 अक्टूबर को पेश होने के समन को टालने की उनकी मांग खारिज कर दी है। हनी सिंह ने 22 अक्टूबर को पेश होने की अनुमति मांगी थी। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर वे तय तारीख पर पेश नहीं हुए, तो उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (LOC) जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

तीन बार समन के बावजूद पेश नहीं हुए हनी सिंह: महाराष्ट्र साइबर सेल ने हनी सिंह को कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में पूछताछ के लिए तलब किया था। अधिकारियों के मुताबिक, उन्हें इससे पहले भी पेश होने के लिए समन भेजे गए थे, लेकिन वे पूछताछ में शामिल नहीं हुए। हनी सिंह ने पहले 5 अक्टूबर को पेश होने में असमर्थता बताई थी और इसके बाद अतिरिक्त समय मांगा था। बताया गया कि उन्होंने विदेश में होने के कारण पेश नहीं हो पाने की बात कही थी। इसके बाद साइबर सेल ने उन्हें 16 अक्टूबर को पेश होने के लिए दोबारा समन भेजा। हनी सिंह ने अब पूछताछ के लिए 22 अक्टूबर को पेश होने की अनुमति मांगी थी, लेकिन महाराष्ट्र साइबर सेल ने उनकी इस मांग को स्वीकार नहीं किया। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि अगर वे निर्धारित तारीख पर भी पेश नहीं होते, तो उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

यह मामला दिल्ली में हुए एक कॉन्सर्ट के दौरान हनी सिंह की ओर से कथित तौर पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। कार्यक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद उनकी टिप्पणी को लेकर आलोचना हुई।

●**विवाद के बाद हनी सिंह ने मांगी थी माफी:** कॉन्सर्ट के वीडियो को लेकर विवाद बढ़ने के बाद हनी सिंह ने एक वीडियो कर कर माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था कि वीडियो क्लिप को इस तरह पेश किया गया, जिससे लोगों को ठेस पहुंची। उन्होंने यह भी कहा था कि उनका इरादा किसी को आहत या अपमानित करने का नहीं था। हनी सिंह ने अपने बयान में बताया था कि उन्होंने युवा दर्शकों तक एक संदेश पहुंचाने की कोशिश की थी, लेकिन उसे व्यक्त करने का उनका तरीका कई लोगों को अनुचित लगा। उन्होंने इसके लिए खेद जताया था।

●**‘वॉल्यूम 1’ गाने को लेकर भी विवाद में आए थे:** हनी सिंह इससे पहले अपने पुराने गाने ‘वॉल्यूम 1’ को लेकर भी विवाद में आ चुके हैं। इस गाने को लेकर हिंदू शक्ति दल नाम के संगठन ने आपत्ति जताई थी। संगठन ने आरोप लगाया था कि हनी सिंह ने 1 मार्च 2025 को दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में एक कार्यक्रम के दौरान गाने की कुछ पंक्तियां गाई थीं।

अनमोल टीवी के ‘हमारी राधा’ में सिमरन कौर ने बताया, कैसे अपनी जिंदगी को नए सिरे से संवार रही है राधा

ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेस लिमिटेड (ZEEL) के फ्री-टू-एयर (FTA) हिंदी जनरल एंटरटेनमेंट चैनल अनमोल टीवी के पहले ओरिजिनल शो 'हमारी राधा' में राधा की जिंदगी अब एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है, जहाँ वह अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने की दिशा में पहला कदम बढ़ा रही है। हाल ही में जारी प्रोमो में दिखाया गया है कि राधा इस परेशानी से जूझ रही है कि गिरधर के बिना उसकी जिंदगी कैसी होगी। ऐसे में, 'गंगा माई की बेटियाँ' की गंगा माई राधा के जीवन में उम्मीद की किरण बनकर आती हैं। गंगा माई को भी उनके पति ने छोड़ दिया था, लेकिन उन्होंने खुद के दम पर अपनी जिंदगी को दोबारा संवारा। उनका यही सफर राधा को भी खाना पकाने के अपने हुनर को अपनी ताकत और कमाई करके आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करता है। इससे राधा को हिम्मत मिलती है कि वह अपने फैसलों के मुताबिक अपनी जिंदगी को एक नई दिशा दे सकती है और अपने भविष्य को खुद संवार सकती है।



और कमाई करके आत्मनिर्भर बनीं। गंगा माई और स्नेहा के मार्गदर्शन से राधा धीरे-धीरे यह समझने लगती है कि जिस रिश्ते को निभाने में उसके कई साल लगाए हों, उससे आगे बढ़ना आसान नहीं है, लेकिन वह उस रिश्ते को अपने भविष्य पर हावी नहीं होने दे सकती।

22 अक्टूबर को पेश होने की मांग खारिज, दोबारा समन पर नहीं आए तो लुकआउट सर्कुलर जारी हो सकता है

कृति सेनन के पैर छूने लगा फैन

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। इसमें एक फैन अचानक उनके पास पहुंचकर पैर छूने लगता है। कृति ने स्थिति को सहजता से संभाला। इससे पहले भी सुष्मिता सेन, अक्षय कुमार, सिद्धार्थ मल्होत्रा, हनी सिंह और सनी देओल जैसे सितारों से जुड़े ऐसे वीडियो सुर्खियां बटोर चुके हैं। कृति इन दिनों अपनी आने वाली हॉरर फिल्म और रक्षाबंधन के विज्ञापन से जुड़े विवाद को लेकर भी चर्चा में हैं।

●**फैन ने अचानक छुए कृति सेनन के पैर:** वायरल वीडियो में एक फैन कृति सेनन के पास पहुंचकर अचानक उनके पैर छूने लगता है। उसकी इस हरकत से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह एक्ट्रेस के प्रति सम्मान या प्रशंसा जाहिर करना चाहता था।

फिल्मी सितारों के प्रति प्रशंसकों की दीवानगी अक्सर दिखती है। कोई उनके साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए उत्साहित रहता है, तो कोई उनसे मिलकर खुशी जाहिर करता है। भारतीय परंपरा में पैर छूना सम्मान जताने का एक तरीका माना जाता है।

●**सुष्मिता सेन, अक्षय कुमार और सिद्धार्थ मल्होत्रा से जुड़े ऐसे पल हुए वायरल:** कृति सेनन का यह वीडियो सितारों और उनके प्रशंसकों के बीच ऐसे दूसरे पलों की याद दिलाता है, जब फैंस ने कलाकारों के पैर छूकर सम्मान जताया। अक्टूबर 2025 में

सुष्मिता सेन का एक वीडियो चर्चा में आया था। इसमें एक प्रशंसक उनके पैर छूकर सम्मान जाहिर करता दिखा। वीडियो ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींचा था।

फरवरी 2024 में मुंबई एयरपोर्ट पर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ भी ऐसा पल देखने को मिला। एक फैन ने अचानक उनके पैर छू लिए, जिससे अभिनेता हैरान रह गए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में रहा।

जुलाई 2024 में सिंगर यो यो हनी सिंह के साथ भी ऐसा हुआ। एयरपोर्ट पर एक फैन ने सेल्फी लेने के बाद उनके पैर छू लिए। इस पर हनी सिंह ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'इतना बड़ा नहीं हुआ मैं।' उनके जवाब ने वीडियो को और दिलचस्प बना दिया।

अगस्त 2023 में फिल्म 'गदर 2' के प्रमोशन के दौरान तारा सिंह के गेटअप में एक बच्चा सनी देओल से मिलने पहुंचा और उनके पैर छुए। यह पल सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

जनवरी 2026 में अक्षय कुमार का एक वीडियो सामने आया। मुंबई में मतदान के बाद उनसे मिली एक महिला ने परिवार की आर्थिक परेशानी बताई और उनके पैर छुए। अक्षय ने उसे ऐसा न करने के लिए कहा और मदद की गुंजाइश देखने की बात कही।

●**रवीना टंडन के पैर छूने पहुंचा था फैन**

रवीना टंडन का एक पुराना वीडियो भी चर्चा में रहा था। इसमें एक फैन उन्हें देखकर भावुक हो गया और उनके पैर छूने की कोशिश करने लगा। रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षाकर्मियों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन रवीना ने फैन को गुलाब दिया।

●**रश्मिका मंदाना के पैर छूकर नवविवाहित जोड़े ने लिया आशीर्वाद**

सितंबर 2023 में रश्मिका मंदाना अपने अलिस्टेट साई की हैदराबाद में हुई शादी में पहुंची थीं। वहां साई और उनकी पत्नी ने रश्मिका के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इस पर एक्ट्रेस थोड़ी झिझकती और मुस्कराती नजर आईं। बाद में उन्होंने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया। इस पल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

अक्षय, सनी, सुष्मिता और हनी सिंह से जुड़े ऐसे पल भी रहे चर्चा में



एक नज़र

भारत बनाम वेस्टइंडीज 5वें टी-20 मैच में बारिश का खतरा, इंडिया के लिए बड़ी दिक्कत

नई दिल्ली। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में शनिवार को बेंगलूरू में भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले पांचवें और अंतिम टी–20 मैच में बारिश और आंधी–तूफान का खतरा मंडरा रहा है। दोनों टीमों के बीच चल रही यह सीरीज 2–2 से बराबरी पर है। भारतीय मौसम विभाग ने कल बेंगलुरु में आसमान में बादल छाए रहने और एक–दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान जताया है। तापमान 20 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, दोपहर और शाम के समय बारिश की काफी संभावना है, जिसमें मैच शुरू होने का निर्धारित समय शाम सात बजे भी शामिल है। बारिश के कारण मैच शुरू होने में देरी हो सकती है, खेल में रुकावट आ सकती है या ओवरों की संख्या घटाई जा सकती है, जो सीरीज के इस निर्णायक मुकाबले में दोनों टीमों के लिए एक चुनौती बन सकता है।हालांकि, अगर बारिश कम समय के लिए होती है, तो स्टेडियम का खास ड्रेनेज सिस्टम देरी को कम करने में अहम भूमिका निभा सकता है। मैदान में एक ऐसा ड्रेनेज सिस्टम लगा है जो पानी को तेजी से बाहर निकाल देता है, जिससे बारिश के बाद खेल का मैदान जल्दी तैयार हो जाता है। इस सिस्टम की कामयाबी बारिश की तीव्रता और उसके दैर तक चलने पर निर्भर करेगी। पांच मैचों की इस सीरीज में मौसम की यह चिंता ऐसे अहम मोड़ पर आई है, जब वेस्टइंडीज ने हैदराबाद में खेले गए चौथे टी–20 में भारत को 24 रनों से हराकर सीरीज 2–2 से बराबर कर दी है। शार्द होप के शतक की बदौलत वेस्टइंडीज ने सीरीज को निर्णायक मुकाबले तक पहुंचा दिया है, जहां अब सीरीज जीतने के लिए दोनों टीमों को जीत की जरूरत है। लगातार बारिश होने पर खेल का समय कम हो सकता है, जिससे ग्राउंड स्टाफ के सामने पूरे मैच के लिए आउटफील्ड को तैयार करने की चुनौती होगी। शाम के समय ओस पड़ने की संभावना भी टीमों की रणनीति को प्रभावित कर सकती है, खासकर टॉस के समय उनके फैसलों पर–कि वे पहले बल्लेबाजी करेंगे या गेंदबाजी। बता दें कि अगर मैच के दौरान बारिश आती है तो यह भारत के लिए बड़ा झटका होगा, क्योंकि लंबे समय से भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ टी–20 घरेलू सीरीज नहीं हारी है और ना ही बराबरी की है। भारत ने लंबे समय से वेस्टइंडीज को अपने घर पर मात दिया है। ऐसे में अगर कैरेबियाई टीम सीरीज को 2–2 से बराबर कराने में कामयाब रहती है तो यह उनके लिए बड़ी उपलब्धि और भारत के लिए झटका ही माना जाएगा।

अर्शदीप सिंह को दर्द में देखकर सुनील गावस्कर का खून खौला, वेस्टइंडीज गेंदबाज को जमकर सुनाया

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच मैदान पर हो रही टक्कर के बीच गहमागहमी भी देखने को मिली। हैदराबाद में खेले गए चौथे मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजों को लगातार आउट करने के बाद वेस्टइंडीज के खिलाड़ी उकसा रहे थे। 248 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 19वें ओवर तक अपने सभी मुख्य बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे और क्रीज पर अर्शदीप सिंह–मयंक यादव की जोड़ी मौजूद थी। आखिरी ओवर में 35 रन डिफेंड करने के लिए शमार जोसेफ को गेंद सौंपी गई। शुरुआती दो गेंद पर 5 रन बने लेकिन फिर उनकी तीसरी गेंद अर्शदीप के बाएं बांह पर लगी, जिसके कारण वह काफी दर्द में दिखे हालांकि ट्रीटमेंट के बाद उन्होंने खेलना चाहा लेकिन वेस्टइंडीज के गेंदबाज ने शरीर की तरफ गेंद फेंका, जिसके बाद वह रिटायर्ड आउट हो गए। हालांकि सुनील गावस्कर जोसेफ की गेंदबाजी से खुश नहीं दिखे और कहा कि उनको अर्शदीप का पीछा करने के बजाए स्टंप पर गेंदबाजी करनी चाहिए। अर्शदीप के बांह पर गेंद लगने के बाद वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जोसेफ को काफी आलोचना का सामना करना पड़ा। भारत को अंतिम ओवर में जीत के लिए 35 रन चाहिए थे और सिर्फ एक विकेट बचा था। अर्शदीप को पहली गेंद पर चौका मिला। लेकिन तीसरी गेंद उनके बांह पर जाकर लगी, दर्द इतना था कि उसके कारण उनका बल्ल भी हाथ से छूट गया। फीजियो के ट्रीटमेंट के बाद जब अर्शदीप अगली गेंद खेलने के लिए तैयार हुए तो जोसेफ ने फिर उनके शरीर की तरफ गेंद फेंकी जोकि कीपर के पहुंच से भी बाहर थी और भारत को पांच रन मिले लेकिन दर्द के कारण अर्शदीप ने आगे नहीं खेलने का फैसला किया। भारत के दिग्गज सुनील गावस्कर को यह रणनीति सही नहीं लगी और उन्होंने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जोसेफ की आलोचना की। सुनील गावस्कर ने कमेंट्री के दौरान अर्शदीप को चोट लगने के बाद कहा, अगर वह ठीक नहीं है तो उसे रिटायर हो जाना चाहिए। वह दर्द में दिख रहा है। उस चोट को और गंभीर नहीं बनाना चाहिए। क्या स्टंप को टारगेट करना आसान नहीं होगा वह जानता है कि वह बाईं तरफ जा रहा है।

प्रज्ञान ओझा बनेंगे नए चीफ सिलेक्टर वसीम जाफर ने किया

है आवेदन लेकिन बीसीसीआई पूर्व स्पिनर के पक्ष में

नई दिल्ली। खबरों के अनुसार, पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने बीसीसीआई में सीनियर पुरुष चयन समिति में खाली पद के लिए आवेदन किया है। उन्होंने अजीत अगरकर की जगह लेने के लिए पश्चिम क्षेत्र से आवेदन किया है। हालांकि, वे चयन समिति में चयनित होंगे या नहीं, यह एक बड़ा सवाल है, क्योंकि खबरें हैं कि पार्थिव पटेल के आवेदन ना करने के कारण भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अब प्रज्ञान ओझा को ही चीफ सिलेक्टर बने रहने देने के पक्ष में है। ऐसे में जाफर को चयन समिति में ना चुनकर किसी और को प्राथमिकता दी जा सकती है। क्योंकि अगर एक बार जाफर चयन समिति में आ गए तो उन्होंने ओझा से अधिक टेस्ट मुकाबले खेले हैं और उनका अनुभव भी गहरा है ऐसे में फिर ओझा के लिए मुश्किलें खड़ी हो जाएंगी। यही कारण है कि बोर्ड रमेश पवार या अन्य को इस पद के लिए प्राथमिकता दे सकता है। ओझा फिलहाल अंतरिम सिलेक्टर हैं। अजीत अगरकर का कार्यकाल 4 अक्टूबर को समाप्त हुआ। बीसीसीआई ने 6 अक्टूबर को रिक्त पद के लिए आवेदन निकाला जिसकी अंतिम तिथि 14 अक्टूबर थी। खबरें थीं कि पार्थिव पटेल पश्चिम क्षेत्र से चयन समिति के लिए आवेदन कर सकते हैं और वही अजीत अगरकर की जगह लेंगे, लेकिन 14 अक्टूबर की शाम को जब यह खबर आई कि पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ने आवेदन ही नहीं किया था तब अन्य

वेस्टइंडीज के बीच पांच मैच की यह श्रृंखला 2–2 से बराबरी पर है। श्रृंखला का निर्णायक मुकाबला शनिवार को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा, बुधवार को हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अर्शदीप सिंह को गेंदबाजी करने वाले हाथ के कंधे पर चोट लगी थी जिसके बाद भुवनेश्वर कुमार को टीम में शामिल किया गया है। ‘ ‘ छत्तीस वर्षीय भुवनेश्वर को इससे पहले 22 अक्टूबर से क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली टी20 श्रृंखला के लिए

भी भारतीय टीम में चुना गया था।

भयान में कहा गया, अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अर्शदीप के उपलब्धता पर फैसला उनकी चोट से उबरने की स्थिति को देखते हुए मुकाबले से पहले लिया जाएगा। ‘ ‘



लोगों के लिए रास्ता साफ हो गया, जिसमें प्रज्ञान ओझा और वसीम जाफर का नाम अब तेजी से उभरकर सामने आ रहा है। अगरकर ने दो साल तक चयन समिति में पश्चिम जोन का प्रतिनिधित्व किया और सबसे अधिक टेस्ट मैच खेलने के कारण उन्हें अध्यक्ष चुना गया। उनका अनुबंध इस महीने की शुरुआत में समाप्त हो गया। रोहित शर्मा के चयन को लेकर संबंधों में आई दरार के कारण ना तो अजीत अगरकर ने अनुबंध को आगे बढ़ाने की गुजारिश की और ना ही बीसीसीआई ने उन्हें ऐसा करने के लिए कहा। जो भी अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड में पुरुष चयन

भी भारतीय टीम में चुना गया था। बयान में कहा गया, अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अर्शदीप के उपलब्धता पर फैसला उनकी चोट से उबरने की स्थिति को देखते हुए मुकाबले से पहले लिया जाएगा। ‘ ‘ अर्शदीप के इस मैच में खेलने की संभावना कम है, क्योंकि कंधे की चोट को ठीक होने में आमतौर पर कम से कम तीन सप्ताह लगते हैं। ऐसे में भुवनेश्वर कुमार को चार साल बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी का मंच तैयार हो गया है। उत्तर प्रदेश से क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां होने वाले निर्णायक

मुकाबले में खेलना लगभग तय माना जा रहा है। भुवनेश्वर ने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 22 नवंबर 2022 को नेपियर में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। यह संयोग ही है कि भुवनेश्वर की वापसी उसी मैदान पर होगी, जहां उन्होंने 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उस मुकाबले में भुवनेश्वर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में नौ रन देकर तीन विकेट लिए थे। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका पहला शिकार पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज नासिर जमशेद बने थे। लंबे समय तक भारतीय टीम से बाहर रहने के बाद भुवनेश्वर ने 2025

महिला टीम के कोच रमेश पवार भी शामिल हैं, जिन्हें इस पद के लिए प्रबल दावेदार माना जा रहा है। फिलहाल, दक्षिण जोन के चयनकर्ता प्रज्ञान ओझा अंतरिम चयन समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने भारत के लिए 24 टेस्ट मैच खेले हैं। पीटीआई के अनुसार, बीसीसीआई के भीतर ओझा को अध्यक्ष पद पर बनाए रखने के लिए मजबूत समर्थन है। इसके लिए जाफर को इस पद के लिए नहीं चुना जा सकता और पवार को इसका लाभ मिलेगा। संन्यास लेने के बाद भी वसीम जाफर क्रिकेट टीमों से जुड़े रहे हैं।

उन्होंने रिटायरमेंट के बाद राज्य

टीमों आईपीएल टीमों और बांग्लादेश

जैसी अंतरराष्ट्रीय टीमों में कोचिंग का

भूमिका निभाई है। वर्तमान में वह एक

यूट्यूब चैनल चलाते हैं और कमेंटेटर

के रूप में काम करते हैं। हाल ही में एक

यूट्यूब वीडियो में उन्होंने

आगरकर के कार्यकाल को 7/10

रेटिंग दी थी, साथ ही विराट कोहली

के जल्दी टेस्ट संन्यास के लिए जाने

वाले चयनकर्ता को भी दोषी ठहराया

था।

उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर

कहा था–हमने टी–20 और वनडे

क्रिकेट में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया

है। हमने दो विश्व कप, एशिया कप

और चैंपियंस ट्रॉफी जीती हैं। तो हमने

कई ट्रॉफियां जीती हैं। मैं उन्हें (अजीत

अगरकर को) 10 में से 7 अंक दूंगा।

मुझे लगता है कि कुछ लोगों के साथ

उनका व्यवहार बेहतर हो सकता था।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय वनडे और टेस्ट टीम का ऐलान, श्रेयस अय्यर बने दो वनडे मैचों के कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड दौरे के लिए वनडे और टेस्ट टीम की घोषणा कर दी है। भारत न्यूजीलैंड में पांच वनडे मैचों की सीरीज खेलेगा और उसके बाद दो टेस्ट मैचों की सीरीज होगी। पहले तीन वनडे के लिए शुभमन गिल को भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है। शेष दो वनडे मैचों के लिए शुभमन गिल को आराम देकर श्रेयस अय्यर को कप्तानी दी गई है। ये दोनों सीरीज नवंबर में खेली जाएंगी। वनडे सीरीज चार नवंबर से होगी, जबकि टेस्ट सीरीज 19 नवंबर से खेली जाएगी। शुक्रवार (16 अक्टूबर) को बीसीसीआई द्वारा जारी प्रेस रिलीज में बताया गया पुरुष चयन समिति ने न्यूजीलैंड के आगामी दौरे के लिए भारत की वनडे और टेस्ट टीमों की घोषणा कर दी है। टी20 सीरीज के समापन के बाद भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच वनडे और दो टेस्ट मैच खेलेगा। शुभमन गिल और लोकेश राहुल समेत चार खिलाड़ियों को आखिरी दो वनडे मैचों के लिए आराम दिया गया है। अन्य दो प्लेयर प्रसिद्ध कृष्णा और आखिरी दो मैचों में आराम के साथ–साथ यह भी शंका है कि वे शायद पहले तीन वनडे मैच भी ना खेल पाएं। आखिरी दो मैचों के लिए केएल राहुल के स्थान पर विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में कुमार कुशाग्र को टीम में जगह दी

टीम में जगह दी गई है। ईशान किशन विकेटकीपर बल्लेबाज होने के साथ– साथ श्रेयस अय्यर के उप–कप्तान बनेने के कारण टीम के कप्तान होंगे। प्रसिद्ध कृष्णा के नाम के आगे स्टार लगा हुआ है इसका सीधा मतलब यह है कि पहले तीन वनडे मैचों के लिए उन्हें पहले अपनी फिटनेस पास करनी होगी तब वे भारतीय स्कॉड और प्लेइंग X1 का हिस्सा होंगे। यानी आखिरी दो मैचों में आराम के साथ–साथ यह भी शंका है कि वे शायद पहले तीन वनडे मैच भी ना खेल पाएं। आखिरी दो मैचों के लिए केएल राहुल के स्थान पर विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में कुमार कुशाग्र को टीम में जगह दी

गौतम गंभीर और श्रेयस अय्यर पर भड़का पूर्व क्रिकेटर, कप्तान नंबर 8 तक बैटिंग कोई बहादुरी नहीं है

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने भारत की टीम के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान श्रेयस अय्यर पर सीधा निशाना इस बात के लिए साधा है, क्योंकि वे नंबर 8 तक बल्लेबाजी रखना चाहते हैं। हालांकि, असल में यह प्लान हर एक फॉर्मेट में कोच गौतम गंभीर का ही दिखता है, जो बल्लेबाजी में गहराई चाहते हैं। इस पर कैफ ने कहा है कि यह कोई बहादुरी वाला काम नहीं है। वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 मैच में भारत के गेंदबाजों पर 247 रन पड़े और भारतीय बल्लेबाज 223 तक पहुंच पाए और मुकाबला हार गए। हैदराबाद में भारत की बल्लेबाजी में ज्यादा खोट नजर नहीं आया, लेकिन गेंदबाजों ने निराश किया। यही गेंदबाजों की यूनिट एक बार इसी सीरीज में 250 का टारगेट भी डिफेंड नहीं कर पाई थी। भारतीय गेंदबाजों ने तीसरे टी20 मैच में भी 200 से ज्यादा रन लुटाए थे। इसी वजह से कैफ ने टीम मैनेजमेंट की आलोचना की कि उन्होंने यह देखकर प्लेइंग X1 नहीं चुनी कि हमारे सामने चुनौती क्या है। मोहम्मद कैफ ने क्रिकबज पर कहा, नंबर 8 तक बैटिंग रखना बहादुरी नहीं है। बहादुरी तो अच्छी बैटिंग विकेट पर अपने सही बॉलर्स को खिलाना है। बहादुरी का फैसला वह है, जिसमें आप सात बैट्समैन और पांच सही बॉलर्स चुनते हैं, जिसमें अक्षर पटेल ऑलराउंडर के तौर पर शामिल हैं। बहादुरी का मतलब है विरोधी टीम को 250 रन बनाने न देना और फिर कहना कि हमें इस से चेज कर लेंगे। अगर आप असल में 5 मैन बॉलर्स के साथ खेलते हैं, तो आपको इतने सारे रन चेज करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। कंडीशन जितनी पवर्ट होगी, उतने ही ज्यादा स्पेशलिस्ट बॉलर्स को खिलाना चाहिए। पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कुलदीप यादव को बाहर रखे जाने पर भी सवाल किया। उन्होंने सलाह दी है कि भले ही आपको एक बल्लेबाज को बाहर करना पड़े, लेकिन कुलदीप को खिलाना चाहिए।